राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 01 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में साइबर ठगों ने की रिटायर्ड इंजीनियर से 80 लाख रुपए की ठगी

नोएडा। नोएडा में साइबर ठगों ने एक रिटायर्ड इंजीनियर को शेयर बाजार में निवेश के नाम पर मोटी कमाई का लालच देकर 80 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पीड़ित को एक फर्जी ऐप डाउनलोड कराया और उसमें निवेश पर भारी मुनाफा दिखाकर विश्वास जीता। जब इंजीनियर ने पैसा निकालने की कोशिश की, तो ठगी का खुलासा हुआ। इस मामले के तहत साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई है ।पुलिस के अनुसार, रिटायर्ड इंजीनियर को ठगों ने सोशल मीडिया और फोन कॉल के जरिए संपर्क किया। उन्हें शेयर बाजार में निवेश करने और कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। ठगों ने पीड़ित को एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा, जिसे वे निवेश प्लेटफॉर्म बताते थे। इस ऐप में पीड़ित ने धीरे-धीरे 80 लाख रुपये जमा किए, जो 10 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। ऐप में दिखाया गया कि उनके निवेश पर भारी मुनाफा हो रहा है, जिससे पीड़ित का भरोसा बढ़ता गया।

रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी ने देशवासियों से की खास अपील

नई दिल्ली। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती इस वर्ष विशेष रूप से मनाई जा रही है। उनके 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन 31 अक्टूबर को किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से इसमें हिस्सा लेने के लिए अपील की है। पीएम मोदी ने एकता दिवस पर एकता दिवस भारत के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो को रिपोस्ट करते हुए लिखा, 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी में शामिल हों और एकजुटता की भावना का जश्न मनाएं! आइए, सरदार पटेल के अखंड भारत के सपने का सम्मान करें ।रन फॉर यूनिटी हर वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित किया जाता है। एकता दिवस भारत के आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक वीडियो संदेश पोस्ट किया गया।

पोस्ट में कहा गया, हमारी विविधता ही भारत की आत्मा है और सरदार पटेल ने इस विविधता को एकता में पिरोया। प्रधानमंत्री मोदी उसी दृष्टि को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों के संग बांटी दीपावली की खुशियां

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सरकार संकल्पित- मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर जरूरतमंद दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पूर्णत: संकल्पित है। उन्होंने कहा कि रायपुर में 5 एकड़ भूमि में दिव्यांगजनों के लिए सर्व-सुविधायुक्त पार्क का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग बच्चों से बड़ी आत्मीयता के साथ भेंट की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कोंपलवाणी और अर्पण दिव्यांग संस्था में अध्ययनरत बच्चों ने मुख्यमंत्री सहित उपस्थित अतिथियों के समक्ष साइन लैंग्वेज का सुंदर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों के इशारों को दोहराते हुए उनसे साइन लैंग्वेज में गुड मॉर्निंग और गुड आफ्टरनून जैसे शब्द सीखे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली मिलन कार्यक्रम के आयोजन हेतु छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन द्वारा जनसेवा के कार्यों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन किया जा रहा है। पूर्व में एसोसिएशन द्वारा मरीजों के लिए एम्बुलेंस भी प्रदान की गई थी, जिसका लाभ अनेक जरूरतमंद लोगों को प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष छत्तीसगढ़ निर्माण का 25वां वर्ष है, जिसे हम रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इस वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। उसी दिशा में हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ना है। इस हेतु राज्य सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को हम अवश्य प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में सड़कों का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

दिव्यांगजनों के विकास के लिए सराहनीय कार्य हो रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगजनों के विकास के लिए सराहनीय कार्य हो रहा है। दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऋण की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने रायपुर में दिव्यांग पार्क बनाए जाने की घोषणा की थी, और अब रायपुर में 5 एकड़ भूमि पर यह सर्व-सुविधायुक्त दिव्यांग पार्क विकसित किया जाएगा।

छात्रों में बढ़ती आत्महत्या को रोकने के लिए आपने क्या कदम उठाए? सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे आठ हफ्तों के भीतर यह बताएं कि छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए अदालत द्वारा तय की गई दिशानिर्देशों को लागू करने की स्थिति क्या है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र सरकार को भी आठ हफ्तों के भीतर अनुपालन हलफनामा (ष्द्बश्चद्यद्व-ड्डठ्ठष्ट्र ड्डद्बद्बद्बस्त्रड्ड1द्बह्ल) दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें इन दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देना होगा। यह मामला 25 जुलाई को दिए गए उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और

केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे दो महीने के भीतर निजी कोचिंग संस्थानों के लिए अनिवार्य पंजीकरण, छात्र सुरक्षा मानक और शिकायत निवारण प्रणाली से संबंधित नियम अधिसूचित करें।

मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में होगी

सोमवार की सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि जुलाई के फैसले में केंद्र सरकार को 90 दिनों के भीतर अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया गया था। इस पर पीठ ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मामले में प्रतिवादी (ह्द्गह्यश्चश्रठ्ठस्रद्गठ्ठह्लह्य) के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया और कहा कि वे आठ हफ्तों में अपने जवाब दाखिल करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में होगी। छात्रों में बढ़ती आत्महत्याओं को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में मानसिक स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए थे। अदालत ने कहा था कि देश में छात्रों, शैक्षणिक संस्थानों और कोचिंग केंद्रों से जुड़ी आत्महत्या रोकथाम के लिए कोई एकीकृत और लागू होने वाला कानूनी ढांचा मौजूद नहीं है।

बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, पंजाब बॉर्डर से ड्रोन, पिस्तौल और हेरोइन बरामद

अमृतसर (एजेंसी)। सीमा पार से होने वाली हथियार और नशे की तस्करी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब बॉर्डर पर चौकसी के दौरान कई अहम बरामदगियां की हैं। बीएसएफ के जवानों ने दो ड्रोन, दो पिस्टल और हेरोइन का पैकेट जब्त किया है। ये सभी बरामदगी फिरोजपुर और अमृतसर सेक्टर में अलग-अलग घटनाओं के दौरान हुई। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी, पंजाब फ्रंटियर के अनुसार, ये कार्रवाई सीमा पार से सक्रिय पाकिस्तानी तस्करों के नापाक इरादों पर तगड़ा वार है ।पहली घटना में बीएसएफ की इंटेलिजेंस विंग से मिली सटीक सूचना के आधार पर, शनिवार को अमृतसर जिले के गांव दाओके के पास गश्त कर रहे सतर्क जवानों ने एक डीजेआई एआईआर 3 एस ड्रोन बरामद किया। यह ड्रोन टूटी हुई हालत में खेतों के पास मिला। इसी दिन शाम को दूसरी घटना में

अमृतसर जिले के गांव कहांगढ़ के पास खेतों में बीएसएफ के जवानों ने एक और ड्रोन को मार गिराया। यह डीजेआई मैविक 3 क्लासिक मॉडल का ड्रोन था, जिसके साथ एक पिस्टल और एक मैगजीन बंधी हुई मिली। बताया जा रहा है कि ड्रोन के जरिये हथियारों की तस्करी की कोशिश की जा रही थी।

इसी क्रम में, बीएसएफ की एक अन्य टीम ने फिरोजपुर बॉर्डर पर गुप्त सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गांव बहादुरके के पास खेतों में से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

चौथी घटना में बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के गांव भैणी राजपूताना के पास स्थित खेतों से हेरोइन का एक पैकेट जब्त किया, जिसका कुल वजन 553 ग्राम है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि जवानों की यह कार्रवाई सीमा पार से होने वाली तस्करी और आतंकवादी नेटवर्क की साजिशों के खिलाफ निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, बीएसएफ के सतर्क जवानों ने एक बार फिर साबित किया है कि वे किसी भी स्थिति में देश की सीमाओं की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे। बीएसएफ ने बताया कि सभी बरामद वस्तुओं को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

00

)लखनऊ में पूर्व डीजीपी के घर एक करोड़ की चोरी, अलीगंज पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज थाना क्षेत्र में कर्नाटक के पूर्व डीजीपी महेंद्र कुमार श्रीवास्तव के घर में एक करोड़ रुपए से अधिक की चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक के पूर्व डीजीपी महेंद्र कुमार श्रीवास्तव के अलीगंज सेक्टर-जी स्थित मकान में उनके रिश्तेदार नितिन कुमार श्रीवास्तव और पत्नी ऋषिका राज रहते हैं।

भागलपुर में दर्दनाक हादसा, छठ घाट बनाने के दौरान गंगा में डूबे चार मासूम; गांव में छाया मातम

भागलपुर (एजेंसी)। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच भागलपुर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। नवगछिया अनुमंडल के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में छठ घाट बनाने के दौरान गंगा नदी में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार की दोपहर गांव के कुछ बच्चे गंगा किनारे छठ घाट तैयार करने पहुंचे थे। घाट की सफाई और सजावट के बाद चारों बच्चे नदी में स्नान करने लगे। इस दौरान एक बच्चा अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीनों बच्चे भी नदी में उतर गए, लेकिन वे सभी तेज धारा में बह गए और देखते ही देखते पानी में समा गए। स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर गोताखोरों की मदद से सभी को किसी तरह बाहर निकाला और आनन-फानन में इस्माइलपुर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नवटोलिया गांव निवासी मिथिलेश कुमार का पुत्र प्रिंस कुमार (11) और किशोरी मंडल का पुत्र नंदन कुमार (10) के रूप में हुई है। अन्य दो बच्चे पास के छठ्ठु टोला के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही इस्माइलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। वहीं, गोपालपुर के निर्दलीय प्रत्याशी गोपाल मंडल भी अस्पताल पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

परिवार द्वारा संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी- शाह

महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है -अमित शाह

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं है और वह अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सफाया सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है।

दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास महाराष्ट्र भाजपा के नए कार्यालय भवन की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवार द्वारा

संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना।

शाह ने निकाय चुनावों में जीत दिलाने की अपील की

अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है। केंद्र और राज्य में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतने चाहिए। इतनी मेहनत करो कि विपक्ष का सफाया हो जाए। वे दूरबीन से भी नजर न आएं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है। शाह ने कहा कि भाजपा के लिए पार्टी कार्यालय एक मंदिर की तरह है। उन्होंने कहा, यहीं से पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों की कल्पना की जाती है और यह पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थल है। शाह ने कहा कि जनसंघ के दिनों से ही विचारधारा से प्रेरित राजनीति और जन कल्याण भाजपा की पहचान रही है।

तेज प्रताप यादव का तेजस्वी पर वार, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, ये जनता तय करेगी

महुआ (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार की महुआ विधानसभा सीट से उम्मीदवार तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा और कौन नहीं बनेगा, यह बिहार की जनता तय करेगी। उन्होंने तेजस्वी यादव की घोषणाओं पर भी सवाल उठाए। तेज प्रताप यादव अपनी राजनैतिक कर्मभूमि महुआ में बाइक पर चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि महुआ में रोड नहीं बना है। स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। तेज प्रताप ने कहा, जिस तरह हमने महुआ में मेडिकल कॉलेज बनवाने का काम किया। इसी तरह वे यहां सड़कों का निर्माण कराएंगे। जनता से किया गया वादा पूरा

करेंगे ।महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव और उपमुख्यमंत्री उम्मीदवार मुकेश सहनी पर तेज प्रताप यादव ने जवाब दिया और कहा, जनता परेशान है। युवाओं को रोजगार चाहिए। यहां मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम कौन बनेगा, ये जनता पर निर्भर करता है। जिसके पास पावर होगी, जनशक्ति जिसे मिलेगी, वह मुख्यमंत्री बनेगा।

उन्होंने राजद के निवर्तमान विधायक और प्रत्याशी पर भी हमला बोला। तेज प्रताप ने कहा, उन्होंने महुआ में कोई काम नहीं किया। विधायक ने सिर्फ जनता को ठगने का काम किया। तेज प्रताप यादव ने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव फर्जी लोगों को ही टिकट दे रहे हैं। तेजस्वी यादव की घोषणा पर उन्होंने कहा, घोषणाएं हर कोई करता है। जनता से वादा कर देना अलग है, लेकिन कुर्सी पर बैठने के बाद लोभ आ जाएगा। इसलिए जनता से वादा करें तो उन पर खरा उतरें। घोषणाओं को पूरा करने की तेज प्रताप यादव की क्षमता है और इसका उदाहरण महुआ में बना मेडिकल कॉलेज है। महुआ से अगर जीते हैं तो क्या माता-पिता से आशीर्वाद लेने जाएंगे? इस पर तेज प्रताप यादव ने कहा, मां-बाप का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ है।

7 राज्यों पर मंडराया खतरा, 110 किमी की हवाओं के साथ आज तट से टकराने की आशंका

विशाखापत्तनम। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा चक्रवात 'मोंथा' अब बेहद गंभीर रूप धारण कर चुका है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, यह डिप्रेशन अब एक चक्रवाती तूफान में बदल गया है और अगले 24 घंटों में यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है।

फिलहाल तूफान के केंद्र में हवा की अधिकतम गति 90-100 किमी प्रति घंटा है, जिसके 110 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। यह तूफान तेजी से उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है और 28 अक्टूबर (कल) की शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के तट पर दस्तक दे सकता है।

मुनगासेर के एक मुस्लिम परिवार द्वारा गौ वंश की हत्या कर उसके मांस को अन्य मांस के साथ मिलाकर हिंदुओं को खिलाया

बागबाहरा(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बागबाहरा थाना अंतर्गत ग्राम मुनगासेर एक मुस्लिम परिवार द्वारा गौ वंश की हत्या कर उसके मांस को अन्य मांस के साथ मिलाकर हिंदुओं को खिलाने का मामला प्रकाश में आया है।

बता दें कि, महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखंड एवं थाना परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मुनगासेर में में 20/10/2025 को रात्रि में एक मुस्लिम परिवार द्वारा गौवंश को काटकर अन्य मांस के साथ मिलाकर हिन्दुओं को जबरन खिलाने का मामला सामने आया है।

ठीक दो दिन बाद गोवेर्धन पूजा के दिन सुबह 5 बजे उसी गौवंश का शीश और खेत मे अस्थियों का मिलना इस बात की पुष्टि करता था । समस्त ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा था।

घटना की जानकारी संबंधित थाने में दर्ज कराई गई गयी, लेकिन पुलिस प्रशासन और पशु विभाग की लापरवाही और जांच में कमी तथा इनकी लाचार व्यवस्था को प्रदर्शित करता है । घटना में संलिप्त व्यक्ति पर पुलिस द्वारा 151 जैसे मामूली धारा लगाकर उठा तो लिया गया है,, परंतु ये प्रश्नचिन्ह है कि, इतने बड़े जघन्य अपराध के लिए क्या ये धारा उचित है । उक्त घटना की जानकारी बजरंग दल टीम को मिली और टीम त्वरित मूनगासेर ग्राम पहुंचे ।

ग्रामीणों के साथ मिलकर घटना स्थल और घटना की संपूर्ण जानकारी ली,एवं मामले की सघन जांच और उचित कार्यवाही करवाने के लिए उनको आशस्वस्त किया ।उचित कार्यवाही नही होने की स्थिति में उग्र आंदोलन करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से मूनगासेर ग्राम के ग्रामीण,बजरंगदल जिला संयोजक एवं छ.ग गौ सेवा आयोग के जिला सदस्य गीतेश पण्डा,छ.ग गौ सेवा आयोग पिथौरा विकासखंड के अध्यक्ष एवं गौ क्रांति मंच के जिलाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल ,छ.ग गौ सेवा आयोग महासमुन्द विकासखंड के सदस्य राजा अग्रवाल ,वि.हि.प विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अधिवक्ता अमन अग्रवाल,महासमुन्द प्रखंड के बजरंगदल संयोजक ऋषि ध्रुवंशी ,नितिन जी उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत 618.76 लाख रुपए की लागत से 7.40 कि.मी. सी.सी. सड़क निर्माण होगा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्रामों में दी सौगात

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत ग्रामीण सड़कों को सुदृढ़ बनाने दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय शर्मा के निरंतर प्रयासों से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्रामों में कुल 7.40 किलोमीटर लंबाई की सीमेंट कांक्रीट सड़क सह नाली निर्माण कार्य हेतु रू. 618.76 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामवासियों को कच्ची, धूल-मिट्टी और कीचड़ युक्त सड़कों की समस्या से मुक्ति मिलेगी तथा स्वच्छ और सुगम ग्रामीण परिवेश का निर्माण होगा।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शर्मा के विशेष प्रयासों से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्रामों बैहरसरी, बम्हनी, मजगांव (ग्राम पंचायत चदैनी), कोठार, गुलालपुर, सैगोना, गुलालपुर, सारंगपुरखुर्द, नेवारी, बंदौरा, मोहगांव, खाम्ही, रौचन, अमरौड़ी, सरेखा एवं पालीगुढ़ा में कुल 7.40 किलोमीटर लंबाई की सीमेंट कांक्रीट सड़क सह नाली निर्माण कार्य हेतु रू. 618.76 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा द्वारा अतिशीघ्र किया जाएगा, जिसके उपरांत निर्माण कार्य प्रारंभ कर पूर्ण किया जाएगा।

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामों की गलियों में धूल, मिट्टी और कीचड़ की समस्या से राहत मिलेगी तथा ग्रामीण परिवेश और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बनेगा। ग्राम गौरव पथ योजना की इस स्वीकृति से संबंधित ग्रामों में हर्ष का वातावरण है। ग्रामवासियों ने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से गाँवों में विकास की नई दिशा मिल रही है। इस योजना के माध्यम से ग्राम स्तर पर न केवल बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा, बल्कि स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर गाँवों के निर्माण की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

देर रात तक बजने वाला डीजे को जप्तकर राजसात की कार्यवाही की तैयारी

माननीय न्यायालय में प्रस्तुत

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में ध्वनि प्रदूषण और आमजन की असुविधा को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी डीजे संचालकों और संबंधित समितियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश और कड़ाई से चेतावनी दी गई थी कि रात 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार का तेज डीजे नहीं बजाया जाएगा तथा माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन अनिवार्य है।

इसके बाद भी कवर्धा पुलिस ने 18 और 24 अक्टूबर 2025 को अलग-अलग मामलों में 2 डीजे धुमाल संचालकों के डीजे साउंड सिस्टम और वाहनों को जप्त कर न्यायालय में पेश किया, जहां एक मामले में डीजे सिस्टम को राजसात करने और वाहन स्वामी पर जुर्माना लगाने के आदेश दिए गए, तथा दूसरी में सुनवाई जारी है। वहीं 25 अक्टूबर 2025 को जिले में आयोजित माता लक्ष्मी की प्रतिमा के विर्सजन के दौरान सभी समितियों और आयोजकों के माध्यम से स्पष्ट अपील की गई थी कि रात 10 बजे के बाद डीजे नहीं बजाए जाएँ। इसके बावजूद, गुप्ता पारा, कवर्धा में भोले भंडारी डीजे संचालक अनिकेत धुर्वे ने रात 11.30 बजे तक तेज ध्वनि में डीजे धूमाल बजाकर आमजन की शांति भंग की। तेज ध्वनि के कारण आसपास के निवासियों को नींद बाधित होना, मानसिक तनाव और दैनिक कार्यों में कठिनाई का सामना करने की शिकायत पुलिस को मिली। सूचना मिलने पर कवर्धा पुलिस की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते धुमाल को साउंड सिस्टम और वाहन को जप्त किया। डीजे धुमाल को राजसात करने और अर्थदंड के लिए ईश्तगासा माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

कबीरधाम पुलिस का कहना है कि जिले में ध्वनि प्रदूषण, नियमों का उल्लंघन और आमजन की असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्यवाही सभी डीजे संचालकों, आयोजकों और समितियों के लिए चेतावनी है कि भविष्य में रात 10 बजे के बाद डीजे नहीं बजाने का पालन सुनिश्चित करें; अन्यथा वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करना है, और यह कार्रवाई उसी संकल्प का प्रतीक है।

जनगणना प्री-टेस्ट कार्य हेतु चयनित ग्रामों में भवन नंबरीकरण का कार्य जारी

निदेशालय के अधिकारियों ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

महासमुंद। आगामी जनगणना की तैयारी के तहत महासमुंद जिले में जनगणना प्री-टेस्ट (पूर्व परीक्षण) कार्य प्रारंभ किया गया है। इस अंतर्गत तहसील महासमुंद के झलप अंचल के 24 ग्रामों का चयन परीक्षण क्षेत्र के रूप में किया गया है। वर्तमान में इन ग्रामों में प्रारंभिक तैयारी के तहत भवन नंबरीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिससे आगामी जनगणना की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं सटीक बनाया जा सके।

भवन नंबरीकरण कार्य का निरीक्षण जनगणना कार्य निदेशालय, रायपुर से आए अधिकारियों श्री संतोष मेन्ढे एवं श्री बैद्यनाथ कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामों में घर-घर जाकर चल रहे नंबरीकरण की प्रगति का जायजा लिया तथा कार्य की गुणवत्ता और सटीकता की जांच की। इस दौरान महासमुंद तहसीलदार श्री जुगल किशोर पटेल, हल्का पटवारी श्री देवेंद्र इंगोले सहित अन्य राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान निदेशालय के अधिकारियों ने स्थल पर कार्यरत टीम को आगामी जनगणना कार्य को सुचारू, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि भवन नंबरीकरण जनगणना की एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से प्रत्येक घर, संस्था और भवन की सटीक पहचान सुनिश्चित की जाती है।

छीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पुनः स्थापित की गई

रायपुर। राजधानी के वीआईपी चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना के बाद सोमवार को नई प्रतिमा पुन: स्थापित कर दी गई है। इस घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है।

घटना रविवार को तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी चौक में हुई थी, जहां अज्ञात व्यक्ति ने महतारी की प्रतिमा को उखाड़ दिया था। इस घटना से स्थानीय लोगों और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना में गहरा आक्रोश फैल गया था। उन्होंने तत्काल विरोध प्रदर्शन करते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज की और जांच शुरू की थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी इस प्रकरण पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और कठोर कार्रवाई की जाएगी। अब प्रतिमा के पुन: स्थापित होने से लोगों में राहत और संतोष का माहौल है।

साक्षरता मित्र सभा और समान समारोह का आयोजन, स्व छबि लाल स्मृति समान से ओम टंडन समानित

पाटन (समय दर्शन)। भिलाई के जैन भवन में साक्षरता मित्र संघ द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्राम रवेली में रहने शिक्षक स्व छबि लाल की स्मृति में ओम टंडन का सम्मान किया गया। सेवा निवृत्त शिक्षक स्व छबि लाल वर्मा साक्षरता की अलग जगाने में कारगर प्रयास किया था।

दुर्ग ज़िले में 1990 के दशक में साक्षरता अभियान आरंभ किया गया था द्य इस अभियान में शामिल 50 हज़ार स्वयसेवकों की मदद से जहां 2.90 लाख निरक्षरों को साक्षर किया गया था वहीं 5 हजार से अधिक दीदी बैंकों का गठन, जनशाला, स्वास्थ परियोजना, मितानीन कार्यक्रम, जलग्रहण क्षेत्र विकास परियोजनाओं का संचालन भी किया गया था द्य लाइफ़लाइन एक्स्प्रेस शल्य चिकित्सा शिविरों का 3 बार आयोजन कर हज़ारों ग़रीब निशक्तजनों व मरीजों का निशुल्क शल्य चिकित्सा की गई थी द्य निशक्तजन परामर्श व परिवार परामर्श केंद्र भी बरसों संचालित कर निशुल्क सेवाएं प्रदान की गई द्य ग्राम रवेली निवासी स्वर्गीय छवि लाल वर्मा जी ने जिला साक्षरता समिति द्वारा संचालित साक्षरता अभियान व/अथवा अन्य कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया था द्य उनका योगदान अत्यंत सराहनीय व स्मरणीय है द्य

भिलाई के सेक्टर-6 स्थित जैन भवन मैं एक साक्षरता मित्र सम्मेलन व सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। द्य इस कार्यक्रम में हम सभी उपस्थित साक्षरता सेवी स्वर्गीय श्री वर्मा जी का पुण्य स्मरण किया गया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही उनके सम्मानार्थ उनके नाम से किसी उत्कृष्ट कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया।

पहुंच मार्ग को लेकर किसान समेत आमजनों को हो रही है भारी तकलीफ

साजा (समय दर्शन)। साजा समीपस्थ बेलतरा से टेढ़ी पहुंच मार्ग लगभग 3 किलोमीटर दूर बना सड़क जर्जर की हालत में है। सड़क कीचड़ युक्त है। लोग सड़क पर ठीक से चल भी नहीं पाते है। साइकिल और मोटरसाइकिल में सवार व्यक्ति अपने-अपने जान जोखिम में डालकर कामकाज को लेकर समस्याओं को चुनौती देते हुए आवागमन करते हैं। कृषकों की पहल ने अपने स्वयं के व्यय पर आवागमन में सुविधा हो, समझ दिखाते हुए खुद के ट्रैक्टरों से आवागमन के लिए सड़क को ब साधन के लिए तैयार किया । लोग अपने-अपने कामकाज निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि लगातार विगत वर्षों से विधायक एवं मंत्री से मुलाकात की जा रही है जिसमें पहुंच मार्ग समस्याएं बताई गई। समस्याओं की समाधान का केवल आश्वासन मिलता रहा लेकिन आज तक इस सड़क पर किसी नेता, विधायक एवं मंत्री का ध्यान ही नहीं गया। विगत दो वर्षों से छग पूर्व कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे से भी लगातार इस संदर्भ में बातचीत की जा रही थी लेकिन आजतक सड़क कार्य के लिए कोई स्वीकृति नहीं मिली। साजा विधायक ईश्वर साहू से भी लगातार आमजन अपनी समस्याओं को लेकर आते-जाते रहे हैं और आश्वासन मिलता रहा लेकिन विधायक की खामोशी से किसी भी प्रकार की सहायता नहीं की जा रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा भी कार्य प्रस्तावित कर दिया गया है लेकिन कार्य शुरू नहीं हुआ है। केन्द्र से लेकर साजा विधानसभा तक भाजपा की सरकार है लेकिन किसी प्रकार की मदद नहीं मिल रही है। लोगों का कहना है कि अगर समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। बेलतरा-टेढ़ी पहुंच मार्ग को सुविधाजनक बनाने में सहयोग करने वाले किसान नेतराम साहू, दुधेराम साहू, तेजराम साहू, अशोक साहू, नारद साहू, रोहित साहू, मोती साहू, सेवक साहू, नौसिद साहू समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे । ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है और आशा जताई है कि शासन प्रशासन द्वारा जल्द ही कार्य पर ध्यान देकर पहुंच मार्ग को बनवाएंगे।

महासमुंद जिले से 323 श्रद्धालु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत हुए प्रयागराज काशी रवाना

महासमुंद(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले के पांचों विकासखंडों से आज कुल 323 श्रद्धालु 18 बसों के माध्यम से पवित्र तीर्थस्थलों — प्रयागराज, हनुमानगढ़ एवं काशी विश्वनाथ — के दर्शन हेतु रवाना हुए। यह पांच दिवसीय यात्रा 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई है। रवाना होने के पूर्व सभी श्रद्धालुओं का मेडिकल चेक अप कराया गया।

इस अवसर पर महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा ने ध्वज दिखाकर श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवी चंद राठी, श्री येतराम साहू,पवन पटेल, महेंद्र सिक्का,राजू चंद्राकर, माखन पटेल, मीना वर्मा, रिंकू चंद्राकर,शरद मराठा, राकेश, चंद्राकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग, जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक श्री सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा आरंभ की गई थी, किंतु पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल में यह योजना बंद रही। वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस जनकल्याणकारी योजना को पुन: प्रारंभ किया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं को फूल माला पहनाकर और तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी।

ज्ञातव्य है कि योजना अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के पात्र हैं। यदि पति-पत्नी साथ यात्रा करना चाहें तो उनमें से एक को आयु सीमा में छूट दी जाती है। योजना के तहत प्रत्येक माह पात्र श्रद्धालुओं को शासन द्वारा निर्धारित तीर्थस्थलों का नि:शुल्क दर्शन कराया जाएगा।

यह योजना पूर्णत: नि:शुल्क है । यात्रा के दौरान आवागमन, ठहरने एवं भोजन की सभी व्यवस्थाओं का वहन राज्य शासन द्वारा किया जाता है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त होगा, बल्कि समाज और संस्कृति से उनका आत्मिक जुड़ाव भी सुदृढ़ होगा।

महासमुंद जनपद से 52, बागबाहरा से 47, पिथौरा से 50, बसना से 40, सरायपाली से 43, नगरपालिका महासमुंद से 50, बागबाहरा से 6, सरायपाली से 15, तुमगांव से 6, पिथौरा से 6 तथा नगर पंचायत बसना से 5 श्रद्धालु शामिल हैं। इनके साथ कुल 9 अनुरक्षक भी यात्रा पर गए हैं।

इस तीर्थ यात्रा से श्रद्धालुओं में उत्साह एवं श्रद्धा का भाव देखा गया। श्रद्धालु सुखिया ध्रुव,मचेवा, दुलारी साहू, बागबाहरा से फौज सिंह और ठाकुर दीवान,पिथोरा की रेखा प्रधान सहित सभी श्रद्धालुओं ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए इस जनकल्याणकारी योजना को जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

संक्षिप्त-खबर

निश्चल प्रेम का सदैव सम्मान करते हैं श्रीकृष्ण- नरसिंहदेव

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के सिद्धपुर नवागांव पांडातराई में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण के पंचम दिवस की कथा का वर्णन करते हुए कथा व्यास परम पूज्य नरसिंहदेव जी महाराज सेवाधिकारी श्री राधारमणलाल मंदिर वृंदावनधाम मथुरा उ.प्र. ने कहा कि माता यशोदा के निश्छल प्रेम के बंधन का सम्मान करते हुए श्री बालकृष्ण भगवान ने उनके कोमल रस्सी को ना तोड़ते हुए यमलार्जुन नामक विशाल वृक्षों को ही जड़ से उखाड़ दिया और नलकूबर तथा मणिग्रीव का उद्धार किया।

स्व. आशुतोष पाठक की पुण्य स्मृति में पाठक परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास भगवान नरसिंहदेव महाराज ने श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का जीवंत वर्णन करते हुए वहां पहुंचे भक्तों एवं श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर रहे हैं। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र से प्रतिदिन श्रोताओं की भीड़ कथा सुनने उमड़ रही है।

दीपावली मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, प्रखर अग्रवाल ने किया भव्य आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। संगम सेवा समिति के संस्थापक एवं युवा भाजपा कार्यकर्ता प्रखर अग्रवाल द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडलों के पदाधिकारी कार्यकर्ता,गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया ।उपस्थित जनों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता, सहयोग एवं विकास की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया इस आयोजन ने न केवल पर्व की गरिमा को बढ़ाया, बल्कि युवाओं की नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया ।मीडिया के माध्यम से प्रखर द्वारा सभी उपस्थित गणमान्य जनो को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सौम्या दीक्षित को स्वर्ण पदक से नवाजा गया

पाटन (समय दर्शन)। कान्य कुब्ज ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन दिनांक 26.10.25 को आशीर्वाद भवन में आयोजित किया गया जिसमें 12 वी मे सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले कुमारी सौम्या दीक्षित को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया सौम्या प्रथम प्रयास मे ही **NEET** क्वालीफ़ाई कर **MBBS** शासकीय मेडिकल कॉलेज जगदलपुर मे प्रवेश की है जिससे समाज के सभी लोगों के लिए गौरव का पल हैं, सौम्या की सफ़लता मे पापा डॉ अमित दीक्षित अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा एवं माता श्रीमती ममता दीक्षित का सराहनीय योगदान रहा जो अनुकूल वातावरण घर मे बनाये रखा जिससे प्रथम प्रयास मे ही सफ़लता हासिल की.सौम्या की सफ़लता से पूरे समाज को गर्व है. सौम्या दीक्षित शुरु ही मेधावी छात्रा रहीं है इनको 10 वी मे भी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था।

सँवरा समाज के प्रतिनिधि मंडल का विस्तार

महासमुंद(समय दर्शन)। संवरा समाज में सामाजिक समरसता और शिक्षा, संस्कृति और समाज की गौरवशाली परम्परा अक्षुण्ण बनाए रखने समाज में नीतिगत परम्परा संवैधानिक अधिकारों, संवरा, सौरा जनजाति समाज को आर्थिक, राजनीतिक चेतना व समाज को जागरूक करने की दिशा में अस्सी घर संवरा समाज के पूर्व प्रान्ताधयक्ष विनोद बिहारी के निर्देशन में बनी प्रतिनिधि मण्डल शाखाध्यक्ष तोषगाव बसन्त मांझी अनतरला, पुरन्धर भोई, मोहनलाल भोई, विजय विशाल, मुरलीधर भोई, निलकण्ठ भोई, ध्रुव मांझी, मनोहर भोई महेंद्र भोई, महेंद्र,व बहादुर बाघ ने ग्राम शाखा सभा कोदोगुडा में दिनांक 26/10/2025 रविवार को बैठक कर दिनांक 02/11/2025 रविवार के दीपावली मिलन व सामाजिक चर्चा परिचर्चा समारोह को सफ़ल बनाने हेतु बैठक आहूत किया गया। जिसमें बलौदा अंचल के सभी 14ग्रामो के समाज जन उपस्थित रहे सभी सगाजनो ने दिनांक 02/11/2025ग्राम कलेण्डा में निर्धारित दीपावली मिलन व सामाजिक चर्चा परिचर्चा को सफ़ल बनाने कि दिशा में डोर-टू-डोर मैराथन बैठक आहूत कर रहे हैं।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिव्यता और आस्था का अद्भुत संगम

राजधानी के अमातालाब में छठ महापर्व की भव्य पूजा

रायपुर। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया की आराधना का पवित्र पर्व है, जो पूरे देश में भक्ति और आस्था के साथ मनाया जाता है। राजधानी के आमातालाब के घाट में इस पर्व की भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के बाद मनाये जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन और महत्त्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है। कार्तिक शुक्ल पक्ष के षष्ठी को यह व्रत मनाये जाने के कारण इसका नामकरण छठ व्रत पड़ा। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी तिथि, पंचमी तिथि, षष्ठी तिथि और सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है।

रायपुर विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि नहाय खाय के साथ ही निर्जला व्रत भी शुरू हो जाता है। छठ महापर्व का शुभारंभ कार्तिक शुक्ल चतुर्थी शनिवार 25 अक्टूबर से हो गया है। इस दिन व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। राजधानी रायपुर की महिलाओं ने नहाय-खाय वाले दिन से ही पवित्र पर्व छठ का प्रसाद बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। व्रती के साथ घर के सदस्य मिलकर इसकी तैयारी रहे हैं। छठ का प्रसाद बनाने के लिए चूल्हा और बर्तन बिल्कुल अलग होता है। इसके अलावा व्रती और परिवार के सदस्यों को लहसुन, प्याज इत्यादि खाना वर्जित होता है। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया की आराधना का पवित्र पर्व है, जो पूरे देश में भक्ति और आस्था के साथ मनाया जाता है। रायपुर के आमातालाब घाट में इस पर्व की भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। 27 अक्टूबर कार्तिक शुक्ल षष्ठी सोमवार को शाम 6.30 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। 28 अक्टूबर कार्तिक शुक्ल सप्तमी को प्रात: 6 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त किया जाएगा। रायपुर के आमातालाब में छठ पूजन हेतु घाट की साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम,पूजन व्यवस्था हेतु समाज के सदस्यों ने विशेष व्यवस्था की गई है। विशेष व्यवस्था हेतु समाज के युवा वर्ग से सुरज शर्मा,विनय शर्मा,रोहित,विश्वकर्मा संतोष विश्वकर्मा,शंकर शर्मा,सुनील शर्मा,सन्नी शर्मा,आकाश शर्मा एवं अन्य सदस्यों ने अपना योगदान दिया है। और समाज के सभी वर्ग के सदस्य,महिलाओं,बच्चों को इस आयोजन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 को खुलेगा

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड (कंपनी) शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 को 2 रुपये अंकित मूल्य वाले अपने इक्विटी शेयरों (इक्विटी शेयर) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (प्रस्ताव) खोलने का प्रस्ताव रखती है। एंकर निवेशक बोली की तिथि बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्यदिवस पहले, गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025 है। बोली/प्रस्ताव की समाप्ति तिथि मंगलवार, 4 नवंबर, 2025 है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 382 रुपये से 402 रुपये तक निर्धारित किया गया है। न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों, जिनका अंकित मूल्य 2 रुपये प्रति शेयर है, और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं, जिनका अंकित मूल्य 2 रुपये प्रति शेयर है। कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 19 रुपये की छूट दी जा रही है। इस प्रस्ताव में कुल 21,500 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम (नया निर्गम) और कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 127,562,573 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है, जिनमें पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपाही (प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) और एसवीएफII लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड, श्रोडर्स कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरीशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्च्युनिटीज फंड - II, मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट शामिल हैं। लिमिटेड, केदारा कैपिटल फंड ढ्ढढ्ढ एलएलपी, और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी (निवेशक विक्रय शेयरधारक)। इस प्रस्ताव में कुल 150 मिलियन रुपये तक का कर्मचारी आरक्षण हिस्सा शामिल है, और शेष राशि को नेट ऑफर कहा जाएगा। यह प्रस्ताव एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) और सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के अनुसार प्रस्तुत किया जा रहा है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियम 6(2) के अनुपालन में बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें नेट ऑफर का कम से कम 75 प्रतिशत क्यूआईबी (क्यूआईबी हिस्सा) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते कि हमारी कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, सेबी आईसीडीआर विनियमनों (एंकर निवेशक हिस्सा) के अनुसार, विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60 प्रतिशत तक आवंटित कर सकती है।

हड्डियों को मज़बूत रखें, वृद्धावस्था में स्वस्थ रहें : डॉ जी एस असती

बिलासपुर। डॉ जी एस असती, सीनियर कंसल्टेंट - ऑर्थोपेडिक्स, अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने बताया भारत की आबादी में बुज़ुर्गों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। अगले दस सालों में हर पांच में से एक नागरिक की आयु 60 से ऊपर होगी। बुढ़ापे की गुणवत्ता एक ही शारीरिक क्षमता पर निर्भर करती है, जिसे बहुत कम लोग नापते हैं, वो है हड्डियों की मज़बूती। स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली शारीरिक कमज़ोरी शुरू होने से काफी पहले, ऑस्टियोपोरोसिस इस क्षमता को धीरे-धीरे कम कर देता है। हाल ही के भारतीय डेटा में इसके व्यापक स्तर को देखा जा सकता है। 50 की आयु पार कर चुके करीबन आधे वयस्कों में बोन मास कम पाया गया है। पांच में से एक वयस्क ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त हो सकता है। जिनकी रजोनिवृत्ति हो चुकी है ऐसी महिलाओं में यह संख्या 40त्न से ज़्यादा है। प्रैक्टर्स, यहां पश्चिमी देशों की तुलना में दस साल पहले ही हो जाते हैं और रिकवरी भी धीमे से होती है। हर प्रैक्टर मात्र आकस्मिक चोट नहीं बल्कि पोषण, जागरूकता और स्क्रीनिंग की एक सिस्टेमिक विफलता का संकेत देता है। इसके कारण बहुत जल्दी शुरू हो जाते हैं। बचपन में कुपोषण और कम प्रोटीन सेवन की वजह से अधिकांश भारतीय बुढ़ापे में पहुंचते हैं तब उनकी हड्डियों में कैल्शियम और अन्य खनिज पदार्थों का संचय (भंडार) काफी कम होता है। शहरों में रहने वालों में से हर पांच में से चार को प्रौढ़ावस्था में पहुंचने तक विटामिन डी की कमी होने लगती है। हर दिन के खाने में कैल्शियम सेवन पर्याप्त नहीं होता है। शारीरिक गतिविधियां कम हो चुकी हैं, सूरज की रोशनी से सीधा संपर्क बहुत कम होता है और मेनोपॉज़ (रजोनिवृत्ति) अक्सर बिना किसी पूर्व जानकारी या स्वास्थ्य सलाह के आता है, जब कई महिलाएं इस महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार नहीं होती हैं। परिणाम स्पष्ट हैं : जब हड्डियों को सबसे ज़्यादा मज़बूत होना चाहिए, तभी वो कमज़ोर पड़ने लगती हैं। डायग्नोसिस की सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। भारत में एक ओर लाखों की आबादी हैं तो दूसरी ओर डीएक्सए स्कैनर हज़ार से भी कम हैं। ज़्यादातर स्कैनर बड़े-बड़े शहरों में उपलब्ध हैं।

टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन की उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका - पिनाकी हलदर

भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य कंपनी के संपूर्ण छोटे वाणिज्यिक वाहनों और पिक-अप रेंज, जिसमें हाल ही में लॉन्च किया गया टाटा ऐस प्रो भी शामिल है, की फाइनेंसिंग को और मजबूत बनाना है। यह सहयोग ग्राहकों के लिए वाहन स्वामित्व को और अधिक सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाएगा। इसके तहत उन्हें कम ब्याज दरों, सरल दस्तावेज़ी प्रक्रिया और तेज़ लोन स्वीकृति एवं वितरण की सुविधा मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से नए उद्यमी और छोटे व्यवसायी कम ईएमआई का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय की शुरुआत करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे। उद्योग और कृषि आधारित छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन और पिक-अप लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रायपुर में स्टील फैब्रिकेशन, सीमेंट और एफएमसीजी उद्योगों से बढ़ती मांग ने विश्वसनीय लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट की आवश्यकता को और अधिक बढ़ा दिया है। इसी तरह, दुर्ग और राजनंदगांव जैसे औद्योगिक क्षेत्रों तथा बिलासपुर के कोल और ट्रांसपोर्ट हब में कुशल निजी कार्गो परिवहन की मांग निरंतर बढ़ रही है।

साथ ही, कांकेर, कोंडागांव और कोरबा जैसे अर्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एससीवीपीयू रेंज कृषि उत्पादों के परिवहन में अहम भूमिका निभा रही है, जबकि अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे शहरों में डेयरी, सब्ज़ियों और रिटेल क्षेत्र में कम-शोर और कम-उत्सर्जन वाले डिलीवरी वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। टाटा मोटर्स के उन्नत कार्गो समाधान, जो विभिन्न ईंधन विकल्पों और कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध हैं, राज्य के उद्यमियों को अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए अधिक लचीलापन और दक्षता प्रदान करते हैं। इस साझेदारी के बारे में टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेडङ्क स्मॉल कमर्शियल व?हीकल और पिक-अप, श्री पिनाकी हलदर ने कहा, पिछले दो दशकों से भी ज़्यादा टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन भारतभर में आजीविका सृजन को सक्षम बनाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा तोड़ी, 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। घटना के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने आरोपी मनोज कुर्रे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मानसिक रूप से कमजोर है और फिलहाल उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

VIP चौक पर हुई थी घटना

घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अंतर्गत VIP चौक की है, जहां शनिवार देर रात अज्ञात व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को खंडित कर दिया था। सुबह जब लोगों की नजर टूटी प्रतिमा पर पड़ी, तो पूरे शहर में आक्रोश और विरोध की लहर फैल गई। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना समेत कई सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी और प्रतिमा की पुनर्स्थापना की मांग की थी।

तीन विशेष टीमें लगाई गई थीं

प्रदर्शन और विरोध के बाद रायपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन विशेष टीमें गठित कीं। पुलिस ने CCTV फुटेज खंगालते हुए संदिग्ध की पहचान की और 24 घंटे के भीतर आरोपी मनोज कुर्रे को सोमवार सुबह राम मंदिर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सारंगढ़ के पुसौर क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर

तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपी मानसिक रूप से कमजोर प्रतीत हो रहा है। उसके खिलाफ मेडिकल जांच कराई जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना उसने जानबूझकर की या मानसिक अस्थिरता के कारण।

बवाल के बाद नई प्रतिमा स्थापित

घटना के बाद छत्तीसगढ़ क्रांति सेना और अन्य संगठनों ने रविवार को VIP चौक पर प्रदर्शन और चक्काजाम किया था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। बढ़ते विवाद और तनाव के बीच प्रशासन ने सोमवार सुबह छत्तीसगढ़ महतारी की नई प्रतिमा स्थापित कर दी।

पुलिस की अपील- रायपुर पुलिस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, अब किसी भी अफवाह या भड़काऊ संदेश पर विश्वास न करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय बनवारी लाल अग्रवाल को दी श्रद्धांजलि

अग्रसेन भवन कोरबा में पगड़ी रस्म कार्यक्रम में शामिल होकर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज कोरबा के अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल की पगड़ी रस्म कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय अग्रवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा अग्रवाल एवं उनके परिवार के लोगों से भेंट कर उन्हें ढाढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल का जीवन जनसेवा और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने सदैव कोरबा जिले के विकास और जनता की भलाई के लिए कार्य किया। उनकी सादगी, विनम्रता और सामाजिक

संवेदनशीलता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। सभी ने स्वर्गीय अग्रवाल के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल, श्री महावीर अग्रवाल, श्री बजरंग लाल अग्रवाल, बिहारी लाल अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

अब 1 नवंबर को रायपुर आएंगे पीएम मोदी, 5 बड़े कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

अटल जी की प्रतिमा करेंगे अनावरण

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब 31 अक्टूबर नहीं, बल्कि 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और नवा रायपुर के दौरे पर आएंगे। प्रधानमंत्री के दौरे का संभावित कार्यक्रम जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि मोदी रायपुर में दिनभर में लगातार पांच कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जिनके बीच में लंच ब्रेक का भी समय नहीं रखा गया है।

प्रधानमंत्री का संभावित कार्यक्रम

प्रधानमंत्री मोदी 1 नवंबर की सुबह 7:35 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से भारतीय वायुसेना के विमान बी-777 से रवाना होंगे और सुबह 9:40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से रवाना होकर सुबह 10 बजे वे श्री सत्य साई संजीवनी बाल हृदय अस्पताल, नवा रायपुर पहुंचेंगे।

यहां प्रधानमंत्री 'दिल की बात' कार्यक्रम में शामिल होकर हृदय रोग से उबरे 250 बच्चों

से मुलाकात करेंगे। लगभग 10:35 बजे वे अस्पताल से रवाना होकर ब्रह्मकुमारी भवन, नवा रायपुर पहुंचेंगे, जहां वे 'शांति शिखर' भवन का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 11:30 बजे तक चलेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 11:35 बजे नवा रायपुर विधानसभा परिसर पहुंचेंगे। यहां वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और कुछ समय के लिए नए विधानसभा भवन में रहेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री का कार्यक्रम राज्य स्थापना दिवस समारोह और विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से भी जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

सुरक्षा और तैयारियां चरम पर

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर राज्य पुलिस, एसपीजी और जिला प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। नवा रायपुर के सभी मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और ट्रैफिक रूट डायवर्जन की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

कार्यक्रम में संभाग आयुक्त महादेव कांवरे ने मुख्य अतिथि की आसंदी को सुशोभित किया

IAS महादेव कांवरे ने वृद्धाश्रम में मनाई दिवाली

रायपुर। सामाजिक संस्था वक्ता मंच द्वारा जारी खुशियों वाली दिवाली के क्रम में कल 26 अक्टूबर की रात्रि कोटा स्थित संजीवनी वृद्ध आश्रम में दीपावली मनाई गई । कार्यक्रम में संभाग आयुक्त महादेव कांवरे ने मुख्य अतिथि की आसंदी को सुशोभित किया उन्होंने वृद्ध माताओं और बुजुर्गों को मिठाई, दीपक, मोमबत्ती, फल सहित अनेक उपहार वितरित किए । इस दौरान संभागायुक्त ने सभी बुजुर्गों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम पूछा । उन्होंने सबको दीपावली की शुभकामनाये दी।

अपने उद्बोधन में कांवरे जी ने कहा कि पारिवारिक परिस्थितियों के कारण कई बुजुर्ग अपने परिवार से अलग वृद्धाश्रम में रहते है । ऐसे बुजुर्गों की देखभाल करना हम सबका दायित्व है ताकि वे बेहतर जीवन व्यतीत कर सके । वक्ता मंच के ऐसे आयोजनो से समाज के प्रत्येक वर्ग के मध्य खुशियां बांटने का अवसर प्राप्त होता है द्य उन्होंने आश्रम में निवासरत बुजुर्गों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनके अकेलेपन को दूर करने हेतु समुचित प्रयास करने का आश्वासन दिया द्य इस अवसर पर बुजुर्गों ने कहा कि जब कोई उनसे मिलना आता है तो उन्हें खुशी और दु:ख दोनों महसूस होते है । लेकिन वे अब खुशी को स्वीकार कर अपना जीवन जी रहे है । इस आश्रम में उनका जीवन यापन व देख भाल अच्छे से हो रहा है तथा वक्ता मंच जैसी संस्थाओं के पहुंचने से उन्हें आत्मिक खुशी मिलती है द्य आज कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा दिये एवं मोमबत्ती जलाकर आश्रम परिसर को प्रकाश से आलोकित करने से हुआ द्य कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों के साथ पटाखे फोड़े गये तथा अनार,फुलझड़ी व चक्री जलाकर दिवाली का आनंद लिया गया द्य कार्यक्रम के अंत में वक्ता मंच द्वारा सभी बुजुर्गों को रात्रि भोज कराया गया द्य आज के आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार चंद्रकला त्रिपाठी लावी ने की। आयोजन में वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते, संयोजक शुभम साहू, प्रभारी विवेक बेहरा , संरक्षक ज्योति शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार डॉ पी. के. तिवारी, एवं मुकेश टिकरिहा, युवा समाज सेवी अमित चतवानी, अनुज अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, डॉ उदयभान सिंह चौहान, किरणलता वैद्य, प्रदीप वैद्य, डॉ इंद्रदेव यदु, प्रशांत यदु, प्रभात यदु, रितेश साहू, यशवंत यदु यश, रामजीवन यदु, हरीराम यदु, परम कुमार, मो. हुसैन, वेदिका सेन सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे । इन सभी उपस्थितजनों ने बुजुर्गों को दीपावली की बधाईयां दी तथा आश्रम के विकास हेतु सतत कार्य करने का वायदा किया द्य उल्लेखनीय है कि प्रदेश की अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा विगत 3 दशकों से दीपावली सहित प्रमुख त्यौहारों को जरूरतमंदों तक पहुंचकर उत्सवित किया जाताट्री ये एकहै द्य वक्ता मंच द्वारा आगामी 29 अक्टूबर को गंज बाल आश्रम गुरुनानक चौक के बच्चों के मध्य दीपावली मनाए जाने की घोषणा की गई है।

संपादकीय

एसओपी तैयार किया जाना बेहद जरूरी

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गईं। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

बिहार देश की सामाजिक न्याय और जाति व्यवस्था की प्रयोगशाला है

अजय दीक्षित

वैशाली, भगवान बुद्ध, नालंदा विश्वविद्यालय, माता सीता की मढ़ी ,सरीखे गौरवशाली इतिहास को समेटे भारत का पौराणिक कथाओं से भरपूर राज्य बिहार देश की जाति व्यवस्था और सामाजिक न्याय की प्रयोगशाला है। ब्रिटिश ने बंगाल के विभाजन के बाद 1911 में इसे स्थापित किया । मध्यकालीन भारत में बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय था जिसमें चीनी यात्री हैन संग के मुताबिक दस लाख पांडुलीपि थी जिनको 13 बी सदी में अलाउद्दीन खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था ।इन पांडुलीपि में प्राचीन भारत का इतिहास दर्ज था ।उससे पहले ईसा पूर्व 567 में भगवान बुद्ध को परम ज्ञान की अनुमति हुई थी ।गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र नदी के तीर में बसा बिहार आजादी के आंदोलनों का साक्षी रहा है। आजादी के बाद भारत में अगर जाति व्यवस्था को सामाजिक न्याय में बदला गया तो वह बिहार ही है । लीची, मखानों, आम, धान, उड़द, ग्वार, मूंगफली,गेहूं आलू का उत्पादन के लिए विख्यात बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज रही है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का चुनाव 6 और 11 नवंबर होना है। राजनीतिक प्रवेक्षकों की माने तो जातियों के समूह तय करेंगे कि कौन सरकार बनाएगा। मुख्य मुकाबला बीजेपी, जेडीयू गठजोड़ यानि एनडीए और राजद कांग्रेस के महागठबंधन के बीच है। राजद ने यादव मुस्लिम जातियों को आकर्षित कर रखा है तो नीतीश कुमार ने अति पिछड़ी जातियों जैसे कोली, कुशवाह, निषाद, कुर्मी,धोबी,तथा अनुसूचित जातियों जैसे पासवान, धानुक, डिमरी, धाम,को अपना लक्ष्य बनाया है भारतीय जनता पार्टी ब्राह्मण, क्षत्रिय, बनिया,भूमिहार,पर नजर रखे है। कांग्रेस राजद के साथ है और 61 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि राजद 127 सीट पर चुनाव में है। NDA में बीजेपी जेडीयू 101 ,101 पर मैदान में हैं। चिराग पासवान की पार्टी 29, जीतन राम मांझी 6 पर लड़ रहे हैं। पूरा चुनाव अभियान सभी पार्टियों का जाति व्यवस्था के आधार पर चल रहा है। अन्य राज्यों में जब चुनाव होते हैं तो विकास, क्षेत्र, भाषा, बोली मुद्दे होते हैं लेकिन बिहार में यह सब मुद्दे नदारत हैं। हां एक महिला सशक्तिकरण जरूर भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बनाया है। राजद नेता तेजस्वी यादव पूरे बिहार में घूम घूम कर यादव मुस्लिम का मजबूत स्थान दे रहे हैं। बिहार में 1952 प्रथम चुनाव से ही जाति गत राजनीत होती रही है। इसका कारण यह है कि ब्रिटिश राज्य में और उससे पहले मुस्लिम एरा में बड़ी जातियों ने छोटी जातियों का बहुत शोषण किया। जिसमें मंदिरों में प्रवेश, आवाज निकालकर निकलना, बेगारी, दासता, दैहिक शोषणों, महिलाओं की स्थिति, भयानक अशिक्षा, अंधविश्वास, जमींदारी प्रथा, जैसी समस्याओं से बिहार अभिशप्त रहा था। मुसलमानों के शासन में यही व्यवस्था बनी रही हालांकि ब्रिटिश ने कुछ सुधार किए मगर वे मन से और बहुत कम । इन परिस्थितियों के चलते पूरे निचले तबके में ऊंची जातियों के प्रति आक्रोश पनप रहा था और जब आजादी के बाद मताधिकार मिला तो वह गुस्सा फूट पड़ता है ।यही जाति व्यवस्था है। हालांकि सरकारी स्तर पर नौकरियों में आरक्षण मिला है लेकिन इस पर भी उन्हीं लोगों ने अपने लोग बिठा लिए जो शोषक थे ।सबसे पहले रामधन, बाबू जगजीवन राम, कर्पूरी ठाकुर आदि नेताओं ने सामाजिक न्याय की आवाज उठाई और जाति आधारित राजनीति शुरू की ।बिहार में एक समय तो जातिगत सेनाएं बन गई थीं और उन्होंने सामूहिक हत्याएं और कत्लेआम मचाया। जिसमें रणवीर सेना, कुश सेना,आदि ने लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री के समय तबाही मचाई।

बिहार चुनाव: मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुन: स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

इंसानों की लालची प्रवृत्ति का शिकार बन रहे हैं गजराज

योगेंद्र योगी

देश में बढ़ती महत्वकांक्षा और लालची प्रवृत्ति ने पर्यावरण के साथी और हिन्दुओं की पूजा के प्रतीक हाथियों को भी नहीं बख्शा है। अन्य वन्यजीवों और वनस्पतियों के तरह अब हाथियों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है। हाथी मेरे साथी के बजाए अब दुश्मन बनता जा रहा है। वाइल्डलाइफइंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की नई जनगणना के मुताबिक पिछले 8 साल के भीतर देश में हाथियों की संख्या करीब 25त्न तक घट गई है। देश में पहली बार डीएनए के आधार पर हाथियों की गणना में यह खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे तो हुए ही हैं, साथ ही जनगणना डराने वाली भी है। यह रिपोर्ट बताती है कि शिकार की वजह से नहीं बल्कि जंगलों के कम होने और इंसानों के साथ संघर्ष के चलते हाथियों की संख्या में कमी आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 22,446 हाथी हैं। जबकि 2017 में देश में हाथियों की संख्या 29,964 के करीब थी।हाथियों की गणना करने के लिए पहली बार डीएनए आधारित प्रणाली को अपनाया है, जबकि 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च होने के बाद से ही तस्वीरों और हाथियों की लीद के आधार पर ही इनकी गिनती होती थी। डब्ल्यू आई आई के वैज्ञानिक और रिपोर्ट के मुख्य लेखक कमर कुरैशी के मुताबिक जंगल कट रहे हैं, हाथियों के आवास सिकुड़ रहे हैं और कॉरिडोर का कनेक्शन खत्म हो रहा है। इस वजह से इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। खासतौर से मध्य भारत और असम में। इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात यह सामने आई कि शिकार के लिए हाथियों को नहीं मारा जा रहा है। लेकिन घर आवासों का सिकुड़ना बड़ी चिंता की बात है। भारत में वेस्टर्न घाट में सबसे ज्यादा हाथी हैं। यहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में 14,587 हाथी हुआ करते थे। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय इलाकों में हाथियों की संख्या 10,139 से घटकर 6559 हो गई है। मध्य भारत और ईस्टर्न घाट में 3128 से घटकर 1891 हाथी ही रह गए हैं। हाथियों की मौजूदा सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में 6013, असम 4159, तमिलनाडु 3136, केरल 2785, उत्तराखंड 1792 ओर ओडिशा में 912 हाथी मौजूद हैं। झारखंड में जंगली हाथियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह मात्र 217 रह गई है, जोकि 2017 के 678 के आंकड़े से काफी कम है।

देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। तमिलनाडु और कर्नाटक में क्रमश: 256 और 160 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत, बाघों के हमलों में 2020 से 2024 के बीच कुल 378 लोगों की मौत हुई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 218 मौतें, उत्तर प्रदेश में 61 और मध्य प्रदेश में 32 मौतें दर्ज की गईं। हर साल करीब 60 हाथियों की भी मौत प्रतिशोध में हो जाती है। देश की रेल परिवहन व्यवस्था हाथियों के लिए खतरनाक बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में देश भर में रेलगाड़ियों की चपेट में आने से कम से कम 79 हाथियों की जान चली गई। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में खड़गपुर-टाटानगर रेलखंड पर तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक हथिनी और उसके बच्चे समेत तीन हाथियों की जान चली गई। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई जिससे यह बड़ा हादसा हो गया था।

जीएसटी सुधार और भारतीय पर्यटन का नया सवेरा

गजेंद्र सिंह शेखावत

भारत में पर्यटन का अर्थ हमेशा ही मनोरंजन से कहीं बढ़ कर रहा है — यह सभ्यताओं के बीच संवाद, विरासत का वाहक और समावेशी विकास का उत्प्रेरक है। फिर भी, दशकों से, लद्दाख के मठों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तटों तक, हमारी अद्वितीय विविधता के बावजूद, इसकी पूरी क्षमता का दोहन करों के अलग-अलग ढांचे और उच्च लागत के कारण नहीं हो पाया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल के सुधारों ने इस कहानी को अब बदलना शुरू कर दिया है।

वर्षों से, भारत का पर्यटन और आतिथ्य उद्योग एक जटिल कर व्यवस्था के बोझ तले दबा रहा है। सेवा कर, वैट, विलासिता कर जैसे कई तरह के करों ने भ्रम उत्पन्न किया और यात्रा की लागत बढ़ा दी। जीएसटी लागू होने से करों में सरलीकरण तो हुआ था, लेकिन हाल ही में दरों का युक्तिसंगत बनाया जाना भारतीय पर्यटन को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

होटल के 7,500 रुपये से कम शुल्क वाले कमरों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है। मध्यम वर्गीय परिवार और कम खर्च में यात्रा करने वाले लोग, जो घरेलू पर्यटन की रीढ़ हैं, उनके लिए यात्रा अब अधिक किफायती हो गई है। उच्च अधिभोग दर, लंबे समय तक प्रवास और स्थानीय स्तर पर अधिक खर्च इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। कम अनुपालन लागत से छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए लाभप्रदता में सुधार हुआ है और औपचारिकता को बढ़ावा मिला है। यह पर्यटन के विस्तार और स्थायित्व की दिशा में शांत लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव है।

पर्यटन कनेक्टिविटी के बल पर फलता-फूलता है। यात्री परिवहन पर, खासकर दस से ज़्यादा यात्रियों वाली बसों पर जीएसटी दर का 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरी और समूह यात्राएँ ज़्यादा सुलभ हो गई हैं। हेरिटेज सर्किट, इको-टूरिज्म पार्क और ग्रामीण पर्यटन स्थलों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है।

यह सुधार सस्ते टिकटों की उपलब्धता से कहीं बढ़कर है—यह क्षेत्रों को जोड़ने, यात्रा को सबके लिए सुलभ बनाने और छोटे टूर ऑपरेटरों को अपना कारोबार बढ़ाने का अवसर देने से संबंधित है। भारत के लिए, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता का एक सशक्त माध्यम है, वहीं किफायती यात्रा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार है।

भारत का आकर्षण केवल उसके स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीवंत परंपराओं में भी निहित है। कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है जो लाखों कारीगरों के जीवनयापन का आधार है। स्थानीय बाज़ार में बिकने वाली हर हस्तनिर्मित कलाकृतियों पर भारत की सांस्कृतिक निरंतरता की छाप होती है।

करों में कमी किया जाना यहाँ महज़ आर्थिक पहल भर नहीं है—यह एक सांस्कृतिक निवेश है। आज पर्यटक प्रामाणिकता की तलाश में रहते हैं और जब वे हाथ से बुनी कांचीपुरम की साड़ी या चंदन की नक्काशीदार मूर्ति घर ले जाते हैं, तो वे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा अपने साथ ले जाते हैं। यह सुधार कारीगरों को सशक्त बनाता है, शिल्प समूहों को मज़बूत बनाता है और विरासत को विकास की कहानी का हिस्सा बनाता है।

संभवतः जीएसटी का सबसे स्थायी लाभ स्पष्टता है। छोटे होटल, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियाँ अब राज्य-विशिष्ट करों की भूलभुलैया के बजाय एक ही निर्धारित ढाँचे के भीतर काम करती हैं। इससे अनुपालन में सुधार होता है, निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और नवाचार के लिए जगह बनती है।

औपचारिकीकरण उन हज़ारों छोटे ऑपरेटरों के लिए ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान तक पहुँच भी बनाता है, जो कभी अनौपचारिक रूप से काम किया करते थे। एक ऐसा क्षेत्र, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक महिलाओं और युवाओं को रोजगार देता है, यह एकीकरण परिवर्तनकारी है। पर्यटन अब केवल फुर्सत के क्षणों में आनंद उठाने से संबंधित उद्योग मात्र ही नहीं रह गया है, बल्कि उद्यमिता और आजीविका का प्रेरक भी बन चुका है।

वैश्विक स्तर पर, पर्यटक किस जगह की यात्रा करेंगे, यह वहाँ की मूल्य की प्रतिस्पर्धात्मकता पर निर्भर करता है। वर्षों से, भारत थाईलैंड और वियतनाम जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों से पीछे रहा है, जहाँ होटलों के कर की दर कम थी और शुल्क सरल थे। हाल ही में जीएसटी में बदलाव ने इस अंतर को कम कर दिया है। भारत अब वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी दरों पर—आयुर्वेदिक रिट्रीट से लेकर हेरिटेज होटल तक— विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है।

परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। घरेलू पर्यटन रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गया है और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। क्रूज़, वेलनेस, फ़िल्म और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों का तेज़ी से विस्तार हो रहा है। स्वदेश दर्शन 2.0, प्रसाद और वाइब्रेंट विलेज जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे एकीकृत प्रयास बुनियादी ढाँचे, नीति और सामुदायिक भागीदारी को और बेहतर बना रहे हैं।

पर्यटन वर्तमान में भारत के जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 80 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का आधार है। निरंतर सुधारों और बुनियादी ढाँचे में निवेश के साथ, यह 2030 तक आसानी से दोगुना हो सकता है। पर्यटन गतिविधि में प्रत्येक प्रतिशत की वृद्धि से कई गुना लाभ उत्पन्न होते हैं, जिनमें —रोज़गार, स्थानीय उद्यम, महिला सशक्तिकरण और विभिन्न संस्कृतियों के बीच परस्पर समझ का विस्तार शामिल है ।

जीएसटी सुधार कोई अलग-थलग राजकोषीय उपाय नहीं हैं; ये इस दर्शन का प्रतिनिधित्व करते हैं कि कराधान बाधा न बने, बल्कि सबके लिए आसान हो। ये यात्रा को और अधिक किफायती, उद्यम को अधिक व्यावहारिक और पर्यटन स्थलों को अधिक आकर्षक बनाते हैं। ये अर्थव्यवस्था की नब्ज को लोगों के और करीब लाते हैं।

जिस प्रकार भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर अग्रसर है, विकसित भारत का सपना वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त पर्यटन इको-सिस्टम के बिना अधूरा रहेगा। दुनिया भारत को नए सिरे से जान रही है—न केवल एक गंतव्य के रूप में, बल्कि एक ऐसे अनुभव के रूप में जो परंपरा का आधुनिकता के साथ, अर्थव्यवस्था का संवेदना के साथ सामंजस्य बिठाता है।

युक्तिसंगत जीएसटी, बेहतर कनेक्टिविटी, सशक्त कारीगरों और आत्मविश्वास से भरे उद्योग के साथ, भारत की पर्यटन गाथा इस दशक की सफलतम कहानियों में से एक बनने जा रही है - एक ऐसी कहानी जहां सुधारों का मेल पुनर्जागरण से होता है और हर यात्रा नए भारत के निर्माण में योगदान देती है।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री हैं।)

बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाती हैं ये चीजें

खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे अधितर लोग परेशान रहते हैं। कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला फैट है, जो हार्मोन के उत्पादन और झिल्ली के कामकाज के लिए आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है अच्छा और खराब। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल है, जो शरीर के लिए जरूरी है लेकिन खराब कोलेस्ट्रॉल शरीर को नुकसान ही करेगा। जब अच्छे कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो शरीर इसे खाने-पीने की अच्छी चीजों की मदद से बनाता है। लेकिन जब खराब कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो खाने-पीने की कुछ गलत आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से क्या होता है? आपको यह बात होनी चाहिए कि खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल से बचने के उपायों की बात करें, तो रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं। आज हम आपको कुछ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली पीले रंग की चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका आपको कम सेवन करना चाहिए या फिर नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड

आजकल बहुत से लोग डीप फ्राई फूड खाना पसंद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग चिकन, समोसा, कचौरी, आलो टिक्की जैसी डीप फ्राई चीजों का खूब सेवन किया जाता है। जाहिर है इन चीजों में तेल का अधिक इस्तेमाल किया जाता है जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है।

घी और मक्खन

घी या मक्खन के बिना भारतीय खाना अधूरा है। मक्खन, देसी घी, पनीर, पाम ऑयल और नारियल के तेल जैसी चीजों में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है और इनका सेवन कम किया जाना चाहिए। खाना पकाने के लिए जैतून का तेल, चावल की भूसी का तेल, मूंगफली का तेल, सूरजमुखी का तेल और अन्य वनस्पति तेल का उपयोग करें।

जलेबी जैसी मिठाई

भारतीय मिठाइयों में चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जलेबी, छेना मिठाई, गुलाब जामुन और कई अन्य गहरी तली हुई मिठाइयों में तेल और चीनी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। जाहिर है यह दोनों चीजें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करती हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे की जर्दी में किसी भी भोजन का सबसे अधिक कोलेस्ट्रॉल 1234 एमजी प्रति 100 ग्राम या दैनिक मूल्य का 411% होता है। एक अंडे की जर्दी 210 एमजी कोलेस्ट्रॉल प्रदान करेगी, जबकि पूरा अंडे केवल 212 एमजी प्रदान करता है। इस प्रकार अंडे में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जर्दी में पाया जाता है।

फास्ट फूड

फास्ट फूड, कोलेस्ट्रॉल से भरे होते हैं। पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राई जैसी चीजों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है। इन चीजों को बनाने के लिए तेल, मक्खन, और चीज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता हिया जिसमें कोलेस्ट्रॉल अधिक पाया जाता है।

दिवाली में ओवरइटिंग करके हो रहा पछतावा

5 चीजों से बॉडी की करें अंदर से सफाई

त्योहार एक ऐसा समय होता है जब लोग अपनी फेवरेट चीजों को खाने पीने से बिल्कुल भी परहेज नहीं करते हैं। लेकिन इसके बाद उन्हें ओवरइटिंग का गिल्ट जरूर होने लगता है। ऐसे में आप अपनी पोस्ट दिवाली डाइट में इन 5 चीजों को एड कर सकते हैं, जो बॉडी को डिटॉक्स करने और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायक हैं।

हिंदू धर्म से जुड़े लोग हर साल बेसब्री से दिवाली के आने का इंतजार करते हैं। इस दौरान तरह-तरह के पकवान भी बनाए जाते है, जिनसे मुंह मोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। त्योहार के समय लोग मिठाई या अन्य पकवान को खाने से कम परहेज कर पाते हैं लेकिन यही आदत आपके वेट गेन, हाई शुगर लेवल की वजह बन सकती है। इससे आपका मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो सकता है। दिवाली के बाद फिर पछताने का दौर शुरू होता है। लेकिन आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं, जो दिवाली के बाद आपके शरीर को डिटॉक्स करने और वजन को घटाने में मदद करेंगे।

दिवाली के बाद शरीर को डिटॉक्स कैसे करें?

चाहे आप अपनी डाइट को लेकर पूरे समय कितने भी माइंडफुल और सावधान क्यों न हों लेकिन त्योहारी सीजन के दौरान ओवरइटिंग करना या अपनी फेवरेट चीजें ज्यादा खा लेना बहुत स्वाभाविक है। अगर आपको लगता है कि आपने दिवाली पर कुछ ज्यादा ही खा लिया है तो इस तरह अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा मिलता है, जिससे अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद मिलती है।

छाछ

त्योहार में बिना सोचे समझे अपनी फेवरेट चीजों का सेवन करने में तो बहुत मजा आता है लेकिन इससे पाचन पर भी बहुत असर पड़ता है। इससे ब्लोटिंग, अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में छाछ का सेवन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, छाछ हल्का और डाइजेस्टिव फ्रेंडली ड्रिंक है, जो पेट को आराम देता है और डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है। साथ ही इसका सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और ब्लोटिंग भी कम होती है।

खूब पानी पिएं

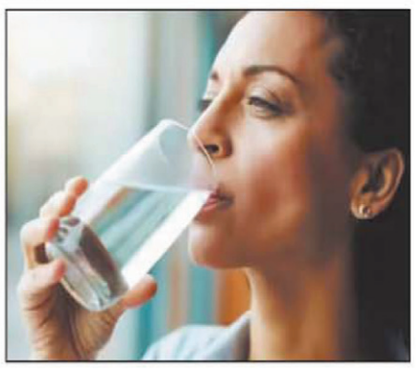

दिवाली के बाद अपने शरीर को अच्छी तरह हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए दिन में 7 से 9 गिलास पानी जरूर पिएं। दरअसल, पानी पीने से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और मल त्याग में मदद मिलती है, जिससे कब्ज जैसी समस्या नहीं होती है। अगर आपके लिए सादा पानी पीना मुश्किल होता है तो उसमें नींबू मिला सकते हैं। चाहे तो गर्म पानी भी पी सकते हैं।

फल और सब्जियों का सेवन

त्योहार के दौरान अधिकतर पकवान में मैदा का इस्तेमाल होता है। वहीं, मिठाई में बहुत अधिक चीनी लोड होती है, जिससे आपके पाचन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में पोस्ट-दिवाली डाइट में आपको फल और सब्जियां भरपूर मात्रा में शामिल करनी चाहिए। दरअसल, फ्रूट्स और वेजिटेबल्स फाइबर, पानी, एंटीऑक्सिडेंट और एंजाइम प्रदान करके शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं, जो शरीर के प्राकृतिक डिटॉक्स अंगों लिवर और किडनी को सपोर्ट करते हैं।

ग्रीन टी

इसके अलावा आप अपनी पोस्ट-दिवाली डाइट में ग्रीन टी को भी शामिल कर सकते हैं, क्योंकि यह टॉक्सिन्स को बाहर निकालने, मेटाबॉलिज्म को तेज करने और लिवर के कार्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ग्रीन टी पीने का सबसे अच्छा समय सुबह और वर्कआउट सेशन से पहले है।

नट्स और सीड्स

इसके अलावा आप सुबह-सुबह नट्स और सीड्स का सेवन कर सकते हैं। बैटरहेल्थ के मुताबिक प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स के अच्छे सोर्स हैं। इनकी मदद से आपको अपने वेट को मैनेज करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, ये आपकी भूख को कम करते हैं, जिससे आप एक्स्ट्रा कैलोरी कंज्यूम करने से बचते हैं। इसके अलावा नट्स और सीड्स से पूरे दिन बॉडी को एनर्जी मिलती रहती है।

हार्ट अटैक-कैंसर से बचाने वाला मसाला है सौंफ

सौंफ का इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। काफी लोग इसे खाने के बाद माउथ फ्रेशनर की तरह भी खाते हैं। लेकिन क्या सौंफ का रोल सिर्फ इतना ही है? बिल्कुल नहीं। सौंफ का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। सौंफ के अंदर कई सारे गुण होते हैं, जो पाचन के बाद खून में घुलकर अलग-अलग काम करते हैं। विभिन्न रिसर्च के मुताबिक, इस मसाले से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है। आइए इसके पीछे की पूरी प्रक्रिया जानते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद है सौंफ

सौंफ के अंदर फाइबर होता है, जिसे कई रिसर्च में दिल के लिए लाभदायक पाया गया है। रिसर्च के अनुसार हाई फाइबर डाइट को दिल की बीमारी का खतरा कम करने वाला पाया गया है।

कई तरह के कैंसर से बचाव

Anethole सौंफ का मुख्य कंपाउंड है, जिसमें कैंसर से लड़ने वाले गुण देखे गए हैं। एक टेस्ट ट्यूब स्टडी में इस कंपाउंड को ब्रेस्ट कैंसर की सेल्स के विकास को रोकने में मददगार पाया गया है। जिस वजह से इस मसाले को कैंसर के बचाव में महत्वपूर्ण माना गया है।

वेट लॉस में आ सकती है काम

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो खाने में सौंफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि, यह मसाला भूख को दबाने का काम करता है। जिससे आप कैलोरी इनटेक कंट्रोल कर पाते हैं। आप सौंफ की चाय का सेवन भी कर सकते हैं।

मिलते हैं कई सारे न्यूट्रिएंट

सौंफ के अंदर सिर्फ फाइबर और प्लांट कंपाउंड ही मौजूद नहीं है। बल्कि यह अन्य जरूरी विटामिन और मिनरल्स की सप्लाई भी करती है। इसके सेवन से विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज आदि पा सकते हैं।

ये फायदे भी कर लें याद

- बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाव
- इंफ्लामेशन से बचाव
- मेंटल हेल्थ के लिए बढ़िया
- मेनोपॉजल सिंप्टम्स से राहत

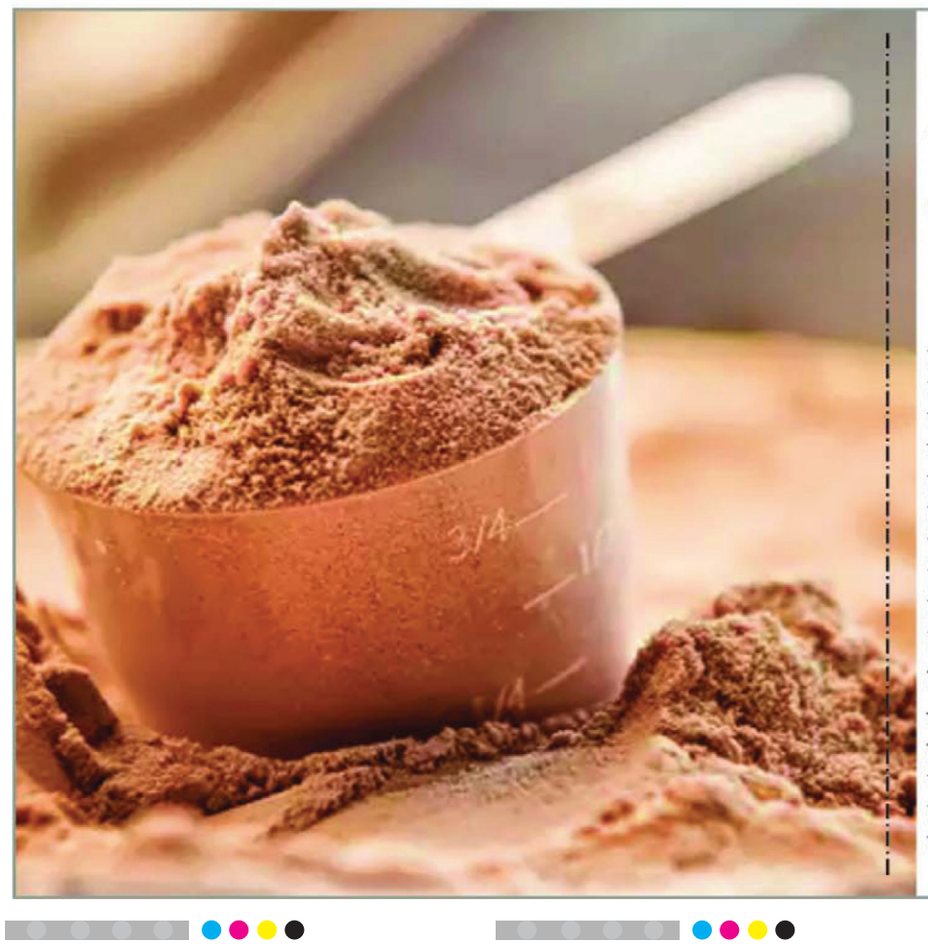

आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है प्रोटीन पाउडर

प्रोटीन मसल्स के लिए बहुत जरूरी होता है। यह मैक्रो न्यूट्रिएंट कई अमिनो एसिड से मिलकर बनता है, जो मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है। इसलिए सभी एक्सपर्ट हर दिन डाइट में प्रोटीन फूड शामिल करने की सलाह देते हैं। बॉडी बिल्डिंग या जिम जाने वाले लोगों को प्रोटीन की अधिक जरूरत होती है। इसे पूरा करने के लिए वो प्रोटीन पाउडर का सहारा लेते हैं। यह सप्लीमेंट फिटनेस गोल को पाने में मदद करता है और जरूरी मात्रा प्रदान करता है। लेकिन क्या यह आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

गैस, पेट फूलना, क्रैम्प

इन पाउडर को बनाने में डेयरी या प्लांट बेस्ड प्रोटीन का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों का पाचन तंत्र इन्हें पचाने में काफी मुश्किलों का सामना करता है। जिसकी वजह से गैस, पेट फूलना और पेट में क्रैम्प की दिक्कत हो सकती है।

गट बैक्टीरिया में असंतुलन

कई प्रोटीन पाउडर के अंदर आर्टिफिशियल स्वीटनर, फ्लेवर और कलर होते हैं, जो गट हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हैं। ये चीजें पेट में मौजूद हेल्दी गट बैक्टीरिया को असंतुलित कर सकती हैं और पाचन को खराब कर सकती हैं।

बढ़ा सकती हैं ब्लड शुगर

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए खूब सारी शुगर का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सेवन इंसुलिन को तेजी से बढ़ाता है और वजन बढ़ाता है। इससे डायबिटीज का जोखिम बढ़ सकता है।

हो सकते हैं जहरीले पदार्थ

डॉ. ने क्लीन लेवल प्रोजेक्ट की हालिया रिसर्च का हवाला देते हुए बताया कि कुछ प्रोटीन पाउडर में लेड, आर्सेनिक और कीटनाशक जैसे टॉक्सिक प्रॉडक्ट हो सकते हैं, जो आपके पेट को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के करनाली प्रांत में खाई में गिरी जीप, आठ की मौत, 10 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलांगा से अथबिस्कोट के स्यालीड़ी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 वर्ष के बीच थी। बाकी 10 घायलों का इलाज रुकुम जिले के अस्पताल में कराया जा रहा है।

तुम्हारे दादा भी तो भारत से अमेरिका आए थे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के बेटे नलिन हेली और ब्रिटिश-अमेरिकन पत्रकार मेहदी हसन के बीच माइग्रेशन को लेकर बहस छिड़ गई। नलिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके डोनाल्ड ट्रंप की माइग्रेशन और वीजा नियमों को लेकर सख्ती का समर्थन किया था और कहा था कि अमेरिका में ही पर्याप्त लोग हैं। वहीं एआई की वजह से भी जॉब मार्केट तंग चल रहा है। ऐसे में कोई किसी भी देश का रहने वाला हो, उसे अमेरिका आने की जरूरत नहीं है। इसपर पत्रकार मेहदी हसन ने कहा कि 1969 में तुम्हारे दादा भी भारत के पंजाब से ही अमेरिका आए थे। नलिन कोहली ने कहा कि विदेशियों को एच-1बी वीजा देना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन को विदेशियों की नौकरी को लेकर और सख्त नियम बनाने चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे फर्क नहीं पड़ता की तुम किस देश के रहने वाले हो। चाहे कनाडा के ही नागरिक हो। हमें माइग्रेशन पर विराम लगाना है। हमारे पास बहुत सारे लोग है। कंपनियां पहले से ही हायरिंग नहीं कर रही हैं और इस तंग मार्केट में विदेशी अमेरिकियों की नौकरी ले लेते हैं। बता दें कि निक्की हेली इस समय साउथ कैरोलिना की गवर्नर हैं और नलिन उनके छोटे बेटे हैं। मीडिया कंपनी के संस्थापक हसन ने कहा कि नलिन के दादा अजित सिंह रंधावा 1969 में भारत से अमेरिका आए। उन्होंने बायॉलजी में मास्टर्सि का और फिर ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा से पीएचडी की। 1969 में वह साउथ कैरोलिना चले गए और वहीं पढ़ाने लगे। वहीं मेहदी हसन का भी ताल्लुक भारत से ही है। उनके मां-बाप हैदराबाद से यूके गए थे। मेहदी हसन को जवाब देते हुए नलिन ने कहा, यह 1969 नहीं है। तुम लोगों को अमेरिका से बस शिकायतें ही रहती हैं। सोशल मीडिया पर लोग नलिन की आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, जिन लोगों ने तुम्हारे दादा को परेशान किया आज तुम उनके ही साथ खड़े हो। तुम्हें कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा एक अन्य यूजर ने कहा, अगर यही नीति पहले ही लागू होती तो तुम्हारा परिवार जीवित ही नहीं रहता बच्चे। बता दें कि नलिन हेली निक्की हेली और उनके पति माइकल हेली के छोटे बेटे हैं। नलिन हेली 2024 में पॉलिटिकल साइंस से ग्रेजुएट हुए हैं। वहीं अमेरिका ने इस साल जुलाई से अब तक 1500 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया है।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध लगाने पर भड़का रूस

मॉस्को, एजेंसी। यूरोपीय संघ द्वारा हाल ही में ब्रुसेल्स में हुई बैठक में रूस पर 19वां प्रतिबंध लगाने का एलान किया। यूरोपीय संघ के इस कदम से रूस भड़क गया है और रूस ने नए प्रतिबंध को अवैध बताते हुए चेतावनी दी कि इस कदम से यूरोपीय संघ खुद को अलग-थलग कर रहा है।

रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए अमेरिका

● रूसी तेल क्षेत्र पर दबाव की रणनीति, पुतिन पर भड़के यूरोप-नाटो के नेता

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे। उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन को आश्वासन दिया कि अगर रूस के साथ उसका संघर्ष विराम लागू हो जाता है तो यूरोपीय देश भविष्य में रूसी हमलों से यूक्रेन की रक्षा के लिए सैन्य सहायता मुहैया कराएंगे।

यूरोपीय देश के नेताओं और जेलेंस्की की बैठक ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मेजबानी में हुई। जेलेंस्की ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का हालिया निर्णय, जिसमें रूस की कुछ कंपनियों पर तेल प्रतिबंध लगाए गए हैं, एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, हमें केवल रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नहीं, बल्कि सभी रूसी तेल कंपनियों पर दबाव डालना चाहिए।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन अपनी ओर से भी ड्रोन और मिसाइलों के जरिए रूसी तेल क्षेत्र को निशाना बना

रहा है। इसी के साथ उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह यूक्रेन की रूस में हमले की क्षमता बढ़ाने के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली टॉमहॉक मिसाल मुहैया कराए।

जेलेंस्की से बातचीत के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, पुतिन ने एक बार फिर बातचीत का मौका ठुकरा दिया है और यूक्रेन की जमीन पर अव्यवहारिक मांगें रखी हैं। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। दूसरी तरफ नाटो प्रमुख मार्क रुट ने कहा कि पुतिन अब पैसे, सैनिकों और विचारों की कमी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन औ प्रधानमंत्री डिक शूफ ने भी इस बैठक में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अपनी बात रखी। बताया गया है कि बैठक में 20 से ज्यादा नेता वीडियो लिंक से जुड़े थे।

लंदन में बैठक के दौरान एक संभावित रीएश्योरेंस फोर्स की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई, जो यूक्रेन की रक्षा में मदद करेगी। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि यह आकाश और समुद्र की सुरक्षा करने और यूक्रेनी सेना को प्रशिक्षित करने वाली ताकत होगी।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हंगरी के बुडापेस्ट में मुलाकात होनी थी। हालांकि, बाद में ट्रंप ने कहा है कि वह पुतिन से जल्द मुलाकात नहीं करेंगे क्योंकि वह समय की बर्बादी होगी। रूस अब तक युद्धविराम या शांति समझौते की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद नए रास्ते तलाश रहा है। रूसी अधिकारी किरिल दिमित्रिएव शुक्रवार को अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक पहले से तय थी और अमेरिकी पक्ष के आमंत्रण पर हो रही है। वह अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करेंगे। दिमित्रिएव पहले भी ट्रंप प्रशासन और क्रेमलिन के बीच कई वार्ताओं में शामिल रहे हैं। इस बीच रूस की तरफ से यूक्रेन में सैन्य अभियान में तेजी लाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि पिछले हफ्ते उसकी सेना ने 10 यूक्रेनी गांवों पर कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं रूस ने यह भी कहा कि उसने बीते कुछ दिनों में यूक्रेनी ड्रोन्स को भी मार गिराया है और उसके हमले की हर कोशिश नाकाम की है। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूसी हमलों में खेरसोन में दो लोगों की मौत हुई।

एक साल में 158000 घट गई पोलैंड की आबादी, आने वाला है बहुत बड़ा संकट?

वारसॉ, एजेंसी। कल्पना कीजिए, एक ऐसा देश जहां हर साल लाखों लोग कम हो रहे हों। जहां बच्चे पैदा होने की संख्या मौतों से कहीं कम हो। जहां युवा नौकरी और बेहतर जिंदगी की तलाश में दूसरे देश चले जाते हों। यही हकीकत है यूरोपीय देश पोलैंड की। हाल ही में पोलैंड के सरकारी सांख्यिकी कार्यालय (ज़स) ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया है। इसके मुताबिक, पिछले एक साल में देश की आबादी 1,58,000 लोगों से घटकर अब लगभग 37.38 मिलियन रह गई है। यह गिरावट न सिर्फ आंकड़ों की बात है, बल्कि एक पूरे समाज की चिंता का विषय है। घटती आबादी का मतलब क्या है? सबसे पहले, आबादी घटने का मतलब

समझिए। जनसंख्या को मापने का सीधा फॉर्मूला है। आबादी = जन्म + अप्रवासन (नए लोग आना) - मौतें - प्रवासन (लोगों का जाना)। पोलैंड में जन्म कम हो रहे हैं, मौतें ज्यादा, युवा बाहर जा रहे हैं, और नए लोग उतने नहीं आ रहे जितने चाहिए। ज़स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश की जनसंख्या में पिछले एक साल में 1,58,000 की कमी आई है, जो एक गहराते डेमोग्राफिक संकट की ओर इशारा करती है। सितंबर 2025 के अंत तक पोलैंड की जनसंख्या 37.38 मिलियन थी, जो पिछले साल की तुलना में 1,58,000 और 2024 के अंत की तुलना में लगभग 1,13,000 कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 की पहली तीन तिमाहियों में जनसंख्या में 0.30% की कमी आई, यानी हर 10,000 निवासियों पर देश ने 30 लोगों को खोया, जो पिछले साल के 27 प्रति 10,000 की तुलना में अधिक है। यह गिरावट कम जन्म दर और अन्य कारकों के कारण लंबे समय से चली आ रही जनसंख्या घटने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच लगभग 1,81,000 बच्चों के जन्म दर्ज किए गए, जो 2024 की समान अवधि की तुलना में लगभग 11,000 कम है।

उत्तरी अफगानिस्तान में दो हथियारबंद लुटेरे मारे गए, चार एके-47 जब्त

काबुल, एजेंसी। अफगान पुलिस ने उत्तरी बल्ख प्रांत में एक मुठभेड़ के दौरान दो हथियारबंद लुटेरों को मार गिराया और चार एके-47 राइफलें जब्त कीं। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार देर रात चाहि जिले में हुई, जहां लुटेरों ने एक यात्री वाहन पर घात लगाकर हमला किया और उसमें सवार यात्रियों का सारा सामान लूट लिया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ितों ने तुरंत अपराध की सूचना दी, जिससे पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिली। जब पुलिस ने संदिग्धों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो लुटेरों ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों हमलावर मारे गए। उनके सामान की तलाशी में चार कलाश्निकोव असॉल्ट राइफलें मिलीं, जिनमें से दो लुटेरों की थीं

और दो पहले सुरक्षा बलों से चुराई गई थीं। इसी से जुड़ी एक घटना में पुलिस ने बुधवार को पड़ोसी सारी पुल प्रांत में हुई मुठभेड़ में एक और हथियारबंद लुटेरे को मार गिराया। किसी और के हताहत होने की खबर नहीं है और जांच जारी है। 6 अक्टूबर को प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला एजातुल्लाह हक्कानी ने कहा कि पुलिस ने पिछले पांच महीनों में दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में कई अभियानों के दौरान लगभग 400 फायर आर्म्स और सैन्य उपकरण बरामद किए।

पाकिस्तान ने अमेरिका को सौंप दिए थे परमाणु हथियार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने शुक्रवार को यह दावा किया है। किरियाकू ने कहा कि अमेरिका ने मुशर्रफ को लाखों डॉलर की मदद के जरिए खरीद लिया था। उनके शासनकाल में अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों तक लगभग पूरी पहुंच थी। उन्होंने कहा, हमने लाखों डॉलर की सैन्य और आर्थिक मदद दी। बदले में मुशर्रफ ने हमें सब कुछ करने दिया।

किरियाकू ने यह बयान न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुशर्रफ ने दोहरे खेल खेले। उन्होंने एक तरफ अमेरिका के साथ दिखावा किया और दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना और चरमपंथियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां जारी रखने दिया।

किरियाकू ने बताया कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार

पर थे। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों के परिवारों को निकाल लिया गया था। हमें लगा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतर सकते हैं।

उन्होंने 2001 में संसद हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन पराक्रम का जिक्र किया। किरियाकू ने दावा किया कि अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने दिल्ली और इस्लामाबाद का दौरा कर दोनों देशों के बीच समझौता करवाया। 2008 मुंबई हमलों पर बात करते हुए किरियाकू ने कहा कि मुझे नहीं लगता था कि यह अल-कायदा है। मुझे हमेशा लगता रहा कि ये पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूह थे। और ऐसा ही साबित हुआ। असली कहानी यह थी कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा था और किसी ने कुछ नहीं किया।

पूर्व सीआईए अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान को अमेरिकी कार्रवाई से बचाने में सऊदी अरब का अहम रोल था। सऊदी ने अमेरिका को कहा कि खान को न छेड़ा जाए, जिससे अमेरिका ने अपने प्लान को छोड़ दिया।

किरियाकू ने अमेरिकी विदेश नीति पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका लोकतंत्र का ढोंग करता है, लेकिन वास्तव में अपने स्वार्थ के अनुसार काम करता है। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी और अमेरिका का रिश्ता पूरी तरह लेन-देन पर आधारित है, अमेरिका तेल खरीदता है और सऊदी हथियार। किरियाकू ने कहा कि वैश्विक ताकतों का संतुलन बदल रहा है और सऊदी अरब, चीन और भारत अपनी रणनीतिक भूमिका को नया आकार दे रहे हैं।

चुनाव की तारीखों का जल्द हो सकता है एलान, निर्वासित बीएनपी नेता रहमान लौटेंगे स्वदेश

ढाका, एजेंसी। निर्वासित और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के शीर्ष नेता तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं। बीएनपी के शीर्ष नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने यह दावा किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद चुनाव आयोग ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है, जिसके बाद माना जा रहा है कि अवामी लीग आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी।

तारिक रहमान की वापसी का सही समय बताने से किया इनकार

बीएनपी की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने कहा कि %हां, हमने सुना है कि वे (तारिक रहमान) जल्द लौटेंगे और ये उन्होंने खुद कहा है। चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। हम सभी चुनाव का शेड्यूल घोषित होने का

इंतजार कर रहे हैं ताकि वे आएं और चुनाव में हिस्सा लें। हम उम्मीद कर रहे हैं कि तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या तारिक रहमान चुनाव तारीखों का एलान होने के बाद बांग्लादेश लौटेंगे या उससे पहले? तो डॉ. खांडेकर ने कहा कि वे जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं, लेकिन मैं उनके लौटने का सही समय नहीं बता सकता।

बीएनपी मौजूदा वक्त में बांग्लादेश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी

बांग्लादेश के मौजूदा हालात में बीएनपी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और अगर सब कुछ सही रहा तो आगामी आम चुनाव में बीएनपी की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। बीएनपी के नेता होने के नाते तारिक रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान, शेख हसीना की सरकार के समय कई मामलों में आरोपी थे और बांग्लादेश से बाहर निर्वासित जीवन जी रहे थे। जैसे ही शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हुई, वैसे ही तारिक रहमान को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में राहत मिल गई।

वेनेजुएला पर हमला कर सकता है अमेरिका, ड्रग ठिकानों को निशाना बनाना चाहते हैं ट्रम्प

वेनेजुएला ने भी 5000 मिसाइलें तैनात कीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला के भीतर ड्रग ठिकानों और उनके तस्करी रूट्स पर हमला करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अभी इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया। यह जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने व्हाइट हाउस के 3 अधिकारियों के हवाले से दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने हाल ही में वेनेजुएला में संभावित हमले के लिए जगहों को लेकर बातचीत बढ़ाई है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने अमेरिकी नौसेना के सबसे उन्नत एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप जेराल्ड आर फोर्ड को यूरोप से कैरिबियाई क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया है। इसके अलावा, ट्रम्प ने सीआईए को वेनेजुएला में गुप्त ऑपरेशन्स करने की अनुमति भी दी है। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा है कि वेनेजुएला के साथ कूटनीतिक बातचीत का विकल्प भी खुला है ताकि अमेरिका में ड्रग्स की आवाजाही को रोका जा सके।

वेनेजुएला ने भी 5000 मिसाइल तैनात की वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में कहा कि उनके देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं। मादुरो ने कहा- हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं, जो देश की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी। ये मिसाइलें हवा में कम दूरी के हमलों को रोकने के लिए तैनात की गई हैं। उन्होंने यह

भी कहा कि ये हथियार किसी भी साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देने के लिए हैं और वेनेजुएला की सेना अपनी मातृभूमि की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए तैयार है।

अमेरिका ने कई बार वेनेजुएला की बोट्स पर हमला किया अमेरिकी सेना लगातार इंटरनेशनल वॉटर्स में ड्रग्स ले जा रहे जहाजों पर हमले कर रही है। हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में एक ड्रग तस्करी जहाज पर हमला किया गया, जिसमें छह लोगों की मौत हुई। पिछले महीने से अब तक ऐसे हमलों में कुल 43 लोग मारे जा चुके हैं।

अमेरिका लंबे समय से मादुरो के खिलाफ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास कुछ नौसैनिक जहाज भेजे हैं, जिन्हें अमेरिका ने ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन बताया है। अमेरिका ने पिछले कुछ वक्त में वेनेजुएला की कुछ नावों को तबाह भी कर दिया है। उसका आरोप है कि ये नावें ड्रग्स ले जा रही थीं। हालांकि वेनेजुएला ने इन आरोपों को गलत बताया है। अमेरिका ने मादुरो पर 7 अगस्त को 50 मिलियन डॉलर, यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। इसके अलावा उनसे जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति भी जब्त की गई है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो के पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था।

मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता ह।

खबर-खास

सिल्ली में हुआ कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, 35 टीम ने लिया हिस्सा

पामगढ़ (समय दर्शन)। पामगढ़ विकासखण्ड के ग्राम सिल्ली में ग्रामीण खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे 35 कबड्डी टीम भाग ले रहे है। शनिवार को कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह हुआ, जिसमे उद्घाटन मुकाबले में डायमंड सिल्ली और और गोंडवाना सिल्ली की टीमों के बीच रोमांचक खेल हुआ, मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाते हैं और युवाओं को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अजय दिव्य, विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य रामगिलास खुटे, जनपद सदस्य ललित नायक, सरपंच सिल्ली धनेश्वरी संतराम कुर्रे, रुपेश कश्यप ,विश्वनाथ कश्यप ,रामायण पटेल ,सहित खिलाड़ी व ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बाइक के अनियंत्रित होकर गिरने से युवक की मौत

साँकरा(समय दर्शन)। साँकरा थाना क्षेत्र के ग्राम पड़कीपाली मोड के पास बाइक के अनियंत्रित होकर गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। 26 अक्टूबर को पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, 19 मई को खिरमनी भोई पिता दुकालु भोई उम्र 37 साल निवासी पड़कीपाली अपने दो पहिया मोटर सायकल क्रमांक छ्व 11 छ्व 6736 में चावल लाने ग्राम परसवानी गया था। चावल लेकर वापस आते समय रास्तें में नदी में नहाने गया था। नदी में नहाकर मछली पकड़कर वापस आ रहा था। इसी दौरान ग्राम पड़कीपाली मोड़ के पास वह अपने मोटर सायकल से अनियंत्रत होकर गिर गया, उसे डायल 112 वाहन से सीएचसी बसना ले जाया गया। 20 मई को खिरमनी भोई का तबीयत बिगडने से उसे एम्स रायपुर में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया था, जहाँ से 21 मई को डिस्चार्ज करने पर उसी दिन खिरमनी भोई को रिम्स अस्पपताल मंदिर हसौद में ईलाज के लिए भर्ती किये। ईलाज के दौरान 9 जून को खिरमनी भोई की मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने आरोपी मृतक खिरमनी भोई के खिलाफधारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

डीघेपुर में डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। श्री राम जानकी मंदिर समिति डीघेपुर द्वाराआयोजित डीजे डांस प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम ठाकुर, अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरर्षोत्तम घृतलहरे ,विशेष अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, सरपंच गिरजा ठाकुर, सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष मानराखन ठाकुर, उपसरपंच वरुण राजपूत, रवि अग्रवाल, मनोज डड़सेना, अजय डड़सेना, ताराचंद देवांगन ,भूषण दीवान, पुनीत सिन्हा, परिमल ने श्री राम चंद्र के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने कहा कि, ऐसे कार्यक्रमों से गांव में आपसी भाईचारा का वातावरण निर्मित होता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरर्षोत्तम घृतलहरे ने कहा कि, यह प्रतियोगिता क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे लाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी ने आयोजन समिति को बधाई देते हुवे कहा कि, ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने का यह प्रतियोगिता मिल का पत्थर साबित होगा।क्षेत्र की प्रतिभाएं गाँवो से निकलकर प्रदेश व देश में क्षेत्र का नाम रौशन करेंगे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से हेतराम साहू, बजरंग पटेल, इलेश साहू, नरेन्द्र सिंह ठाकुर, श्यामलाल ठाकुर, हम्मन ठाकुर ,विद्या सागर ठाकुर, भूपेंद्र ठाकुर, धनेश्वर ठाकुर, विश्राम ठाकुर, परदेशी दास, मुकेश राजपूत, नेपाल श्याम छमा ठाकुर, राधा ध्रुव, तुलसी बाई, प्रमेंद सिंह निषाद, तिलक साहू, खेमसिंह ठाकुर ,मीना लक्ष्मी बुंदेश्वर श्याम श्याम लाल ठाकुर, हम्मन ठाकुर, बजरंग पटेल, हेतराम साहू, शत्रुघ्न पटेल, लक्ष्मी ठाकुर, शीतल ठाकुर, अनुरूप इंद्र कुमार ठाकुर, छबीराम ध्रुव, माधुरी हलधर ध्रुव, प्रेमशंकर भोई, सुपेश पटनायक ,काशीराम सेन, राधेश्याम ठाकुर, नानू विश्वकर्मा माँ शारदा महिला समूह हेमंत विश्वकर्मा, अँजोर सिंह ठाकुर, गंगा स्व सहायता की महिलाएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बुधवार को साप्ताहिक अवकाश पुनः लागू करने की मांग

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम ने बैलाडीला क्षेत्र में एनएमडीसी उपक्रम के साप्ताहिक अवकाश को बुधवार से रविवार करने के निर्णय पर गंभीर चिंता जताई है। पिछले 70 वर्षों से बुधवार को साप्ताहिक अवकाश के चलते कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों को सरकारी कार्यों जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवाने, सरकारी चावल वितरण, बच्चों के टीकाकरण, और आदिवासी बच्चों के लिए जाति-निवास दस्तावेज बनवाने में सुविधा मिलती थी। इस दिन एनएमडीसी ने आयरन ओर उत्पादन में कई रिकॉर्ड और पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

हाल ही में एनएमडीसी हेडक्वार्टर के निर्णय से अवकाश को रविवार कर दिया गया है, जिससे विशेष रूप से लगभग 3000 ठेका श्रमिक परिवार प्रभावित हो रहे हैं। कुंजाम ने बताया कि इस बदलाव से ठेका श्रमिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे: राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि बनवाने या संशोधन में कठिनाई। सरकारी योजनाओं जैसे चावल वितरण का लाभ न मिल पाना। बच्चों के टीकाकरण में असुविधा। दंतेवाड़ा कलेक्टर कार्यालय से संबंधित कार्यों में बाधा। आदिवासी बच्चों के लिए जाति-निवास प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो सकती है।

कम वेतन और सीमित छुट्टियों के कारण ठेका श्रमिकों का सरकारी कार्यों के लिए अवकाश लेना मुश्किल। कुंजाम ने बताया कि नियमित कर्मचारियों को अधिक छुट्टियां मिलने के कारण वे सरकारी कार्य आसानी से कर पाते हैं, जबकि ठेका श्रमिकों के साथ यह असमानता उन्हें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण योजनाओं से वंचित कर रही है।

उन्होंने एनएमडीसी प्रबंधन, जिला कलेक्टर और राज्य सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार कर बुधवार को साप्ताहिक अवकाश पुनः लागू करने की अपील की है। कुंजाम ने कहा, मैं एनएमडीसी हैदराबाद प्रबंधन से निवेदन करता हूँ कि वे ठेका श्रमिकों के हित में इस निर्णय को गंभीरता से लेते हुए रविवार की जगह बुधवार का अवकाश बहाल करें। उन्होंने आशा जताई कि प्रबंधन सकारात्मक निर्णय लेगा, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचेगा।

एनएमडीसी लिमिटेड बी.आई.ओ.एम. किरन्दुल कॉम्प्लेक्स में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा किरंदुल एनएमडीसी लिमिटेड बी.आई.ओ.एम. किरन्दुल कॉम्प्लेक्स द्वारा दिनांक 27/10/2025 से 02/11/2025 तक''सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी'' विषय के अंतर्गत सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया जा रहा है । आज दिनांक 27/10/2025 को प्रशासनिक भवन के प्रागंण में अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण द्वारा एवं अन्य कार्यस्थल पर संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाते हुए सतर्कता जागरूकता सप?ताह-2025 का शुभारंभ किया गया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान एनएमडीसी / के.औ.सु.बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, गृहणियों तथा स्कूल एवं कालेज के छात्र - छात्राओं के लिए चित्रकला, निबंध, नारा एवं सवाल प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाएंगे । सतर्कता अधिकारी ने सभी से अनुराध किया कि वे उनके लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनां ।

खेलो इंडिया का महाकुंभ राजस्थान में: 7 शहरों में जुटेंगे 5000 एथलीट

पहली बार बीच वॉलीबॉल और साइक्लिंग भी शामिल

नई दिल्ली (समय दर्शन)। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पाँचवें संस्करण की मेजबानी राजस्थान को मिली है। 12 दिनों तक चलने वाला यह खेल महाकुंभ 24 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक प्रदेश के सात प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने बुधवार को यह घोषणा की। इन खेलों में देश भर के विश्वविद्यालयों से 5,000 से अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। गेम्स का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ढ्ढ) के सहयोग से किया जा रहा है।

3 नए मेडल स्पोर्ट्स जुड़े, 7 शहरों में होंगे मुकाबले

इस बार के यूनिवर्सिटी गेम्स कई मायनों में खास होंगे। पहली बार तीन नए खेलों को मेडल स्पोर्ट्स की श्रेणी में शामिल किया गया है। इनमें बीच वॉलीबॉल, कैनोइंग-कयाकिंग और साइक्लिंग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक खेल खो-खो को एक डेमोंस्ट्रेशन स्पोर्ट (प्रदर्शन खेल) के तौर पर शामिल किया गया है।

बिहार में हुए यूथ गेम्स की तर्ज पर ही, यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन भी राजस्थान के सात शहरों—जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर—में किया जाएगा। इन खेलों में एथलीट कुल 23 मेडल स्पोर्ट्स में अपनी चुनौती पेश करेंगे, जिनमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, तैराकी, कुश्ती, कबड्डी और योगासन जैसे प्रमुख खेल शामिल हैं।

खेल मंत्री बोले- यह 'गौरव की दिशा में पहला कदम'

खेलों की घोषणा करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भारत के खेल मार्ग में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।चह्व हमारे युवा एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान करता है। यह वैश्विक स्तर पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने की आकांक्षा रखने वालों के लिए 'गौरव की दिशा में पहला कदम' साबित होगा। उन्होंने आगे कहा, माननीय प्रधानमंत्री जी के विज़न के तहत, खेलो इंडिया पहल ने एक ठोस पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। राजस्थान में होने वाले ये गेम्स 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर भारत में हुए पिछले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ओवरऑल चैंपियन बनी थी, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने दूसरा स्थान हासिल किया था।

अंतर्राज्यीय वन्यजीव तस्करों का पर्दाफाश — देवभोग पुलिस की बड़ी कार्रवाई

विलुप्त प्रजाति सालखपरी (पैंगोलिन) ज़िंदा बरामद

गरियाबंद (समय दर्शन)। देवभोग पुलिस और सायबर टीम ने मिलकर अंतर्राज्यीय वन्यजीव तस्करों के एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ओडिशा से छत्तीसगढ़ की सीमा में अवैध रूप से वन्यजीव लाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से एक जीवित सालखपरी (पैंगोलिन), उसकी छाल (सेल), एक कार और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

ज्ञात हो कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वन्यजीव तस्करी के खिलाफचलाए जा रहे,इस अभियान के दौरान थाना देवभोग को सूचना मिली कि मारुति कार (ह्रछ 08 छ्व 7638) और मोटरसाइकिल (छ्व 05 छ्व 9151) से पैंगोलिन और उसका छाल ओडिशा से देवभोग की ओर बिक्री के लिए लाया जा रहा है।इस जानकारी के अनुसार खुटगांव अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को रोका।

तलाशी में 9 किलो वज़न का जीवित पैंगोलिन कार से और 6.13 किलो छाल (सेल) मोटरसाइकिल से बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी भवतोश पात्र पिता परमेश्वर पात्र,उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम अरेबेटा,थाना कलमपुर, जिला कालाहांडी (ओडिशा),गोरे बारिक पिता मोनो बारिक, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम रेगालपाली, थाना कलमपुर, जिला कालाहांडी (ओडिशा)और कौशल नागेश पिता खगेश्वर नागेश, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम ठिरलीगुड़ा, थाना देवभोग ने बताया कि उन्होंने सुनाबेड़ा वन्य अभयारण्य (ओडिशा) से पैंगोलिन का शिकार किया और देवभोग क्षेत्र में बिक्री के इरादे से आ रहे थे। तीनों आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।वही बरामद जीवित पैंगोलिन को वन विभाग को सौंपकर जंगल सफारी रायपुर में छोड़ा गया।

योगियों की सेवा ही मेरा संकल्प और आज का यह सम्मान उसी सेवा की पहचान है-डॉ.एन के अग्रवाल

बसना(समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना ब्लाक मुख्यालय मे सेवा भावी सोच का पर्याय बनता अग्रवाल नर्सिंग होम नित नये कीर्तिमान रचता बुलंदियों को छे रहा है। नवा रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'क्रिटिकॉन रायपुर 2025' में ग्रामीण अंचल में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ संचालित करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पूर्व मुख्यमंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा अग्रवाल नर्सिंग होम के संचालक डॉ एन के अग्रवाल को सम्मानित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है । सम्मान के क्षण में डॉ. रमन सिंह जी ने कहा आप कमाल के इंसान हैं डॉक्टर साहबज् आज भी आप कड़ी मेहनत करते हैं। डॉ.एन के अग्रवाल ने बताया कि वह मेरे लिए जीवनभर प्रेरणा देने वाला गर्व का पल था। मेरे सुपुत्र एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित अग्रवाल के साथ इस मंच पर उपस्थित होना विशेष खुशी का कारण रहा। उन्होंने बताया कि डॉ. संदीप दवे एवं उनकी टीम तथा हमारे सभी डॉक्टर्स,पूरा नर्सिंग होम परिवार के साथ नगर व क्षेत्र की सभी जनता का हृदय से धन्यवाद। जो किसी भी प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्यगत समस्याओं ,बीमार होने पर दूर दराज के बड़े अस्पताल न जाकर पूर्ण विश्वास के साथ हमे सेवा का अवसर देते हैं, और हम उनकी भावना पर खरे उतरते हैं ।

राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाला गैंग पकड़ाया

सोशल मिडिया में लूट का विडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यवाही

गरियाबंद। जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के हथखोज गांव में राहगीरों से लूटपाट और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राहगीरों से लूटपाट करने के बाद अपनी दहशत फैलाने के लिए उन्हें जबरदस्ती पैर छूकर माफी मांगने पर मजबूर करते और गालियां देते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान कर धर-पकड़ की कार्रवाई की। मामले में पुलिस ने मोती राज साहू, थनेश साहू, बादशाह खान और असफाक कुरैशी को गिरफ्तार किया। पुछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चारों आरोपी अपने खाने-पीने और नशे की आदतें पूरी करने के लिए राहगीरों को निशाना बनाते थे। ये लोग सुनसान इलाकों में बाइक सवार राहगीरों को रोकते, उनसे मारपीट करते और मोबाइल, नकदी या कीमती सामान लूट लेते थे। इसके बाद घटनाओं का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे, ताकि इलाके में दहशत का माहौल बना रहे। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपियों ने फिंगेश्वर और राजिम थाना क्षेत्र में चार से अधिक वारदातें की थीं।

पोषण गार्डन निर्माण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान द्वारा विमेनिटी के सहयोग से महिला मुखियाओं का पोषण गार्डन निर्माण की प्रक्रिया पर एक दिवसीय प्रशिक्षण गरियाबंद में आयोजित किया गया।जिसमें छूरा और गरियाबंद ब्लॉक से 20 महिला मुखिया शामिल हुई ।उद्यानिक विभाग छूरा से सुनील साहू ने बताया कि पोषण गार्डन किसे कहते है पोषण गार्डन की प्रक्रिया के बारे प्रोजेक्टर के माध्यम से साहू सरल व सहज तरीके से बताया जिसमें पोषण गार्डन हम अपने घर के बाड़ी या आंगन में तैयार कर ताजी सब्जी लगाकर कर इसका उपयोग कर सकते है इससे जो पौष्टिक आहार और जो विटामिन्स, मिनरल,आयरन प्रोटीन,कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व प्राप्त होता है उसका उपयोग करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा जिससे जो स्वास्थ्य पर होने वाली खर्च की बचत होगा साथ ही बाजार से अधिक मूल्य पर जो सब्जी खरीदते है उसकी बचत होगी उस राशि का हम परिवार के अन्य मद के लिए उपयोग कर सकते है,व इसमें जैविक पद्धति से खाद्य तैयार कर उपयोग करने से हम जोरासायनिक खाद्य से हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है उससे भी बचा जा सकता और पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा।

इसके बाद शासन द्वारा किसानों को मिलने वाली योजनाओं के बारे बताया जिसमें 55 से 60 प्रतिशत तक शासन द्वारा सब्सिडी किसानों को दिया जाता है,बस योजनाओं तक पहुंच बनाकर हम लाभ ले सकते है इसके बाद पानी की बचत कैसे करे और पोषण गार्डन के लिए कैसे क्यारी बनाकर विधिपूर्वक से तैयार कर सब्जी लगाए और इसके लिए कैसे हम पहले बीजोपचार विधि का उपयोग करे उसके बारे में बताते हुए पोषण गार्डन के उद्देश्य,महत्व,आवश्यक सामग्री,पोषण गार्डन से होने वाले लाभ,और समाधान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया ।जिसमें संस्था के सभी स्टाफ भी मौजूद रहे ।

धर्मान्तरण और चंगाई कारनामा के चक्कर मे गई एक की जान

बागबाहरा(समय दर्शन)। जिले के बागबाहरा विकासखंड के तेन्दुलोथा गांव में धर्मान्तरण का एक मामला सामने आया है। जिसमें दो ईसाई महिलाओं द्वारा इलाज के नाम पर कर रहे झाड़ फूंक और अंधविश्वास के चलते एक व्यक्ति की मौत तक हो चुकी है ।जिसके खिलाफअभी तक स्थानीय शासन और पुलिस प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का सख्ती नही दिखाया गया है । हिन्दू संगठन ने कड़े शब्दों में कहा है कि, आखिर ये धर्मान्तरण का नंगा नाच कब तक सहन करेगा हिन्दू समाज !

एक ओर जहां सनातन संस्कृति के बइगा-गुनिया,झाड़ फूंक और आयुर्वेदिक इलाज को अंधविश्वास साबित करके उसे समाप्त कर दिया और दूसरी ओर ईसाई मिशनरियों द्वारा इसी झाड़ फूंक को धर्मान्तरण और इलाज का माध्यम बनाया है । बागबाहरा के बजरंगी भाइयों द्वारा इस घटना का वीडियो भी बनाया गया और त्वरित 112 की टीम को इसकी सूचना दी गयी।

112 टीम द्वारा उक्त घटना का मुआयना करके उच्च अधिकारियों को खबर दिया गया । बागबाहरा पुलिस प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लेने के कारण हिन्दू समाज व नगरवासियों में भारी आक्रोश है ।

सूचना मिलते ही बजरंगदल के जिला संयोजक और छ.ग शासन गौसेवा आयोग के जिला सदस्य गीतेश पण्डा ,छ.ग शासन गौसेवा आयोग के पिथौरा विकासखंड अध्यक्ष और गौ क्रान्तिमन्च के जिलाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल ,छ.ग शासन गौसेवा आयोग के महासमुन्द विकासखंड के सदस्य एवं भा.ज.यु.मो. कार्यकर्ता राजा अग्रवाल ,बजरंगदल के जिला सहसंयोजक विजय शर्मा ,भा.ज.पा कार्यकर्ता नितेश पांडे ,महासमुन्द प्रखंड संयोजक ऋषि ध्रुवंशी ,नितिन जी की उपस्थिती में बागबाहरा के कार्यकर्ताओं की रात्रि 10 बजे बैठक ली गयी और उक्त मामले की कार्यवाही की जानकारी के लिए बागबाहरा थाना जाकर पुलिस को कार्यवाही हेतु निवेदन किया गया।

खैरागढ़ पुलिस ने ऑनलाईन ठगी करने वाले गिरोह को मुंबई से किया गिरफ्तार

खैरागढ़। खैरागढ़ पुलिस ने इंस्टाग्राम पर साड़ी बेचने के नाम पर हुई छोटी-सी ऑनलाइन ठगी के मामले को सुलझाते हुए 50 करोड़ रुपए के बड़े साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह तक पहुंचा गई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की छात्रा वसुधा सिन्हा ने पुलिस में ऑनलाईन ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। छात्रा ने पुलिस को बताया था कि उसने इंस्टाग्राम पर एक ऑनलाइन पेज से साड़ी खरीदी और पेमेंट करने के बाद उसके साथ 64,000 की ठगी हो गई। पहली नज़र में पुलिस को यह ऑनलाईन ठगी का छोटा मामला लग रहा था, लेकिन खैरागढ़ साइबर सेल ने जब इंस्टाग्राम पेज, पेमेंट ऐप और बैंक खातों की गहन जांच शुरू की तो पता चला यह ठगी का बड़ा मामला है।कार्यवाही जांच में सामने आया कि इस फ्रॉड के पीछे मुंबई के डोम्बिवली और कल्याण में सक्रिय एक बड़ा गैंग काम कर रहा था। ये शातिर ठग इंस्टाग्राम पर साड़ी बेचने के फर्जी शॉपिंग पेज बनाकर देशभर के लोगों को निशाना बना रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि ये लोग 100 बुक नाम का एक ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप भी चला रहे थ।

मोहित कुमार शर्मा को मिला कीर्ति शेष पंचराम बनपेला सम्मान

दुर्ग (समय दर्शन)। अविभाजित जिला दुर्ग जिला (वर्तमान में दुर्ग ,बालोद, बेमेतरा जिला) में वर्ष 1990 से 2003 तक जिला साक्षरता समिति द्वारा संचालित संपूर्ण, उत्तर एवं सतत साक्षरता कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित कराते हुए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला साक्षरता मित्र मंच द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में योगदान देने वाले 43 कीर्ति शेष के स्मृतियों को समिति द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर इनके नाम से उतर साक्षरता,सतत शिक्षा के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रम में आगे आकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले को इनके परिजनों के उपस्थिति में सम्मानित किया गया। मोहित कुमार शर्मा को पाटन परियोजना के अंतर्गत अक्षर सैनिक, कला जत्था कलाकार, कुशल प्रशिक्षक के साथ तात्कालीन समय जल मिशन, कुष्ठ उन्मूलन, डायरिया उन्मूलन,पल्स पोलियों अभियान, पर्यावरण जागरूकता हरेली जगार के विविध गतिविधियों में सहभागिता के लिए कीर्ति शेष पंचराम बनपेला सम्मान से सम्मानित किया गया इस अवसर पर बनपेला जी के पुत्र कौशल एवं अनिल बनपेला सपत्नीक उपस्थित रहकर समिति के अलावा भी सम्मानित किए। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ.बी.एल.तिवारी, डॉ डी एन शर्मा, हरिनारायण दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार परदेशी राम वर्मा, पद्मश्री डोमार सिंह कुंवर, पद्मश्री शमशाद बेगम के साथ साक्षरता के सैकड़ों सजग प्रहरी उपस्थित थे।सम्मान के पहले भी शर्मा जी विभिन्न संस्थाओं से सैकड़ों सम्मान प्राप्त कर चुके हैं जिसमें प्रमुख है.. श्रेष्ठ अक्षर सैनिक, कला जत्था कलाकार, कुशल प्रशिक्षक के साथ अक्षर पुंज सम्मान,अक्षर ज्योति सम्मान,आखर अंजोर, जनौला लेखन,जुगुर जागर पत्रिका में प्रकाशित श्रेष्ठ कविता प्रेषण सम्मान, वृक्षारोपण के लिए, कुष्ठ उन्मूलन, डायरिया उन्मूलन के लिए जिला साक्षरता समिति द्वारा उत्कृष्ट सम्मान, जिला नेहरू युवा केन्द्र द्वारा जिला युवा पुरस्कार।

साझा संकलन-ऋतंभरा साहित्य समिति द्वारा भारतीय साहित्य दर्पण, साहित्य के सितारे, प्रेम फाउंडेशन द्वारा मेरे प्रभु श्री राम एवं हिन्दी हमारी शान तथा नव जागरण प्रेस द्वारा लहर छत्तीसगढ़ मे रचनाएँ प्रकाशित,युवा अवार्ड, सृजन शिक्षक सम्मान, सीप मानस संस्था द्वारा , संकुल द्वारा विविध सम्मान के साथ विधान सभा स्तरीय प्रतिभा खोज सम्मान,जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान, राज्य स्तरीय तरुभूषण अवार्ड, लाईफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड भारतीय दलित साहित्य समित ,विधान सभा स्तरीय प्रतिभा सम्मान, मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञानदीप के साथ साहित्यिक गतिविधियों के लिए शिक्षक कला साहित्य समिति छ.ग.द्वारा लगभग सैंकड़ों सम्मान, पढ़ई तुंहर कोर कमेटी लोरमी के , हिन्दी साहित्य सृजन सम्मान राष्ट्रीय स्तर का, राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर सम्मान नेपाल द्वारा साथ सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियों के लिए सैकड़ों संस्था द्वारा सम्मानित हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज का बैठक ग्राम बटग में सम्पन्न

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज का बैठक ग्राम बटग में सम्पन्न हुआ ।कुर्मी मंगल भवन में सर्व प्रथम महापुरुषों के तेलचित्र पर दुर्ग राज के राज प्रधान ईश्वरी वर्मा,पूर्व राज प्रधान अरुण वर्मा,दुलारी वर्मा पाटन जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक सरपंच गेंदू वर्मा पदाधिकारीगण ग्राम के स्वजातीय पुरुष एवम महिला द्वारा दीप प्रज्वलन एवम माल्यार्पण कार्यक्रम की शुरुवात किया गया तत्पश्चात दुर्ग राज के दिवंगत स्वजातीय गण को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ।उसके बाद नरेंद्र वर्मा के संचालन में राजप्रधान सहित समस्त पदाधिकारी ग्राम के वरिष्ठ जन का सम्मान किया किया गया ।ग्राम बतंग के जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक सरपंच गेंदू वर्मा उपसरपंच माहेश्वरी वर्मा सहित पांच का भी सम्मान किया गया ग्राम के महेश बघेल की कुर्मी भवन के अहाता निर्माण के लिए पांच लाख देने पर सम्मान किया गया।

उसके बाद कार्यक्रम का संचालन खिलेश वर्मा ने किया और संबोधन के लिए सर्वप्रथम राजमंत्री रमाशंकर वर्मा ने छात्रवृत्ति के बारे में विस्तार से जानकारी दिया उसके बाद अरुण वर्मा ने कहा कि जो भी निर्णय पास होता है था अधिवेशन में आप लोगो के द्वारा ही पारित होता है ।दुलारी वर्मा ने कहा की छात्र वृत्ति को और अधिक संख्या मो में लोगो को जोड़कर बढ़ाने की आवश्कता है अपने कार्यकाल में जो विभिन्न ग्रामों में निर्माण कार्य की जानकारी दी ।राज प्रधान ईश्वरी वर्मा ने निर्विरोध निर्वाचित हुआ के लिए सभी का आभार जताया। केंद की विधान एवम आचार संहिता में जो संशोधन किया गया बताया कि खंड 2 की धारा 58 केंद्र एवम दसों राज का चुनाव एक साथ खंड 2 धारा 41 प्री वेडिंग शूटिंग को बंद खंड 1के धारा 65 अनिवार्य चंदा 20के स्थान पर अलग अलग वर्ग के लिए निर्धारित किया गया है। उसके बाद महेंद्र वर्मा के संचालन में प्रकरण बैठक की शुरुवात किया गया सर्वप्रथम वादी एवम प्रतिवादी का नाम पुकारा गया सात प्रकरण में दो लोग नही आए बाकी का शांतिपूर्ण निराकरण किया गया ।कार्यक्रम में राज प्रधान ईश्वरी वर्मा,पूर्व राज प्रधान अरुण वर्मा,दुलारी वर्मा जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक सरपंच गेंदु वर्मा उप सरपंच महेश्वरी वर्मा राज मंत्री रमा शंकर वर्मा उप राजमंत्री प्रेम लाल वर्मा सचिव महेंद्र वर्मा सह सचिव एवम मीडिया प्रभारी खिलेश वर्मा सांस्कृतिक सचिव नरेंद्र वर्मा,वेदप्रकाश वर्मा,सुरेश वर्मा,किरण वर्मा ,माधुरी वर्मा,देवेंद्र वर्मा,हरी चंद वर्मा,जनार्दन वर्मा,समाज सेवक सुदर्शन वर्मा,ग्राम में महेश बघेल ,महेश वर्मा, ममता वर्मा,एवम ग्राम के समस्त स्वजातीय उपस्थित रहे आभार प्रदर्शन नरेंद्र वर्मा ने किया।

कलेटर एवं जनप्रतिनिधियों ने तीन श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत गरियाबंद जिले से 192 श्रद्धालुओं का दल रवाना

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत आज गरियाबंद जिले के पांचों विकासखंडों से आज कुल 192 श्रद्धालु सहित श्रद्धालुओं के देखरेख के लिए 5 अनुरक्षक भी तीन बसों के माध्यम से पवित्र तीर्थस्थलों प्रयागराज,हनुमानगढ़ एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। यह पांच दिवसीय यात्रा 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई है। इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके,वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किया।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके,जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, उपाध्यक्ष लेखराम साहू,राधेश्याम सोनवानी, स्थानीय जनप्रतिनिधि,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर,सहित समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

ज्ञातव्य है कि योजना अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक तथा 60 वर्ष से कम आयु वर्ग के विधवा/परित्यक्ता महिलाओं के श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के लिए पात्र हैं। यदि पति-पत्नी साथ यात्रा करना चाहें तो उनमें से एक को आयु सीमा में छूट दी जाती है। योजना के तहत पात्र श्रद्धालुओं को शासन द्वारा निर्धारित तीर्थस्थलों का निःशुल्क दर्शन कराया जाएगा। यह योजना पूर्णतः निःशुल्क है। यात्रा के दौरान आवागमन, ठहरने एवं भोजन की सभी व्यवस्थाओं का वहन राज्य शासन द्वारा किया जाता है।

पुलिस जवानों की इंसानियत,घायल व्यक्ति को पहुंचाए जिला अस्पताल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले शांति व्यवस्था के साथ घटना दुर्घटना में घायलों को उपचार चोरी,मारपीट और अन्य घटनाओं को रोकने के लिए गरियाबंद पुलिस की अपनी एक अलग छबि लोगो के बीच है जिससे लोग अपने आप को सुरक्षित भी महसूस कर रहे है। वही बीते रात को सीटी कोतवाली पुलिस के दो जवानों ने अपनी इंसानियत दिखाई और मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर घायल व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाकर घायल व्यक्ति का इलाज करवाए।ज्ञात हो कि रविवार के रात को ग्राम मालगांव के समीप किसी अज्ञात कार के द्वारा एक व्यक्ति को ठोकर मारकर अज्ञात कार भाग निकला,जिससे उक्त व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया उसी दौरान सिटी कोतवाली के दो जवान योगेश्वर सिंह और मुरारी यादव को घटना की जानकारी हुई जिससे दोनों जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल लेकर आए जहां घायल व्यक्ति की पहचान ग्राम काजनसरा निवासी देव ध्रुव के रूप पहचान हुआ।इस दुर्घटना में देव ध्रुव के हाथ पैर के साथ सिर गंभीर चोट लगा था जिससे उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी,जिसे अस्पतालए भारती कर तत्काल उपचार प्रारंभ कराया गया।

किसानों ने एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग की

रायपुर। प्रदेश में किसानों की धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो रही है। जिसके लिए छग शासन के एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। इसकी अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है इधर किसानों ने मांग की है कि एग्रीटेक पोर्टल की पंजीयन तिथि बढ़ाई जाए। राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार सरकार इस पर विचार कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्र शासन द्वारा किसानों की भूमि तथा अन्य योजनाओं किसान समृद्धि योजना फसल बीमा तथा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ दिया जाता है। एग्रीपोर्टल में किसानों को बी 1 आधार कार्ड लिंक वाला तथा आधार कार्ड एवं बैंक की खाते ही फोटो कापी केवायसी सहित होनी चाहिए। एग्रीटैक में पोर्टल होने के बाद इससे राजस्व विभाग के पटवारी तथा तहसीलदार प्रमाणित करते हैं। इसके पश्चात धान खरीदी केंद्रों में सहकारी समितियों में इसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। लेकिन अभी तक सिर्फ 24 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है बताया जाता है कि राज्य में अभी चार लाख किसान अभी बचे हुए है।

मोदी की मन की बात समाज में सकारात्मकता, स्वावलंबन और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करता है : डीपेन्द्र साहू

धमतरी (समय दर्शन)। ग्राम सांकरा स्थित जरही माता मंदिर परिसर में रविवार को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय मासिक संवाद कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री डीपेन्द्र साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन दिव्यांग प्रेरणा जन कल्याण समिति, धमतरी के सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को श्रद्धा और उत्साह के साथ सुना तथा उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। श्री डीपेन्द्र साहू ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम से देशभर के नागरिकों को प्रेरणा मिलती है। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मकता, स्वावलंबन और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करता है। विशेष रूप से दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उनके उत्थान के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में दिव्यांग प्रेरणा जन कल्याण समिति के संरक्षक श्री बसंत कुमार बिश्नोई, समिति की अध्यक्ष श्रीमती संतोषी बिश्नोई, सेवानिवृत्त शिक्षक श्री घनश्याम सिंह साहू, श्री रोहित साहू, श्री डेरहाराम, श्री नीलकंठ, श्रीमती सुलोचना, श्री सुलेखा अली, श्री शिवचरण, श्री सोमन मेश्राम, श्रीमती मिलाप, श्री पोषण सिंहा, श्री होलाराम, श्रीमती तीजनबाई सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करते हुए समाज सेवा, जनकल्याण और स्वावलंबन के मार्ग पर अग्रसर रहने का संकल्प लिया।

गोद ग्राम बोड़रा में चलाया गया स्वच्छता व जन जागरूकता कार्यक्रम

धमतरी (समय दर्शन)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के निर्देशानुसार गोद ग्राम बोरड़ा बलियारा में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय विशेष शिविर लगाया गया। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली के लगभग 50 स्वयं सेवकों ने सेवा कार्य कर जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच सुमन प्रीतम साहू ,उप सरपंच रवि कुमार साहू, सचिव ध्रुव दास बघेल व पंचगनों द्वारा पूजा अर्चन कर प्रारंभ किया गया।

स्वयंसेवकों को सात टीमों में विभाजित कर अलग-अलग दायित्व सौंपा गया। इनके द्वारा तालाब परिसर की सफाई, हाई स्कूल, माध्यमिक व प्राथमिक स्कूल, शिशु मंदिर परिसर, विभिन्न चौक चौराहा, साहू समाज भवन आदि की साफ सफाई किया गया। व कटीले पौधों को भी साफ किया गया। तत्पश्चात ग्राम बोड़रा के सभी गलियों का बैंड बाजा के साथ नारा लगाते हुए व गीत गाते हुए भ्रमण किया गया। तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम सुआ, कर्मा, ददरिया, पंथी नृत्य ,राउत नाचा व छत्तीसगढ़ी रीमिक्स सॉन्ग के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता व छत्तीसगढ़ी संस्कृति के बारे में जानकारियां दी गई ।पंचायत व ग्रामीण जनों के द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गणेश प्रसाद साहू ,डॉ. मंजूषा साहू ,प्राचार्य बोड़रा चमन लाल साहू को शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया एवं प्राचार्य सी एल साहू द्वारा सभी स्वयंसेवकों को पेन प्रदान किया गया ।पंचायत एवं अतिथियों द्वारा स्वयंसेवकों के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की ।डॉ. गणेश प्रसाद साहू द्वारा भी स्वामी विवेकानंद का प्रतीक चिन्ह सरपंच सुमन प्रीतम साहू व प्राचार्य सी एल साहू को भेंट किया गया। इस अवसर पर पुष्पेंद्र साहू पत्रकार ,पंचगण मालती, यामिनी, मीनाक्षी ,तला डिगेश्वरी, भानबाई ,मुकेश ,संतोष ,ग्रीन आर्मी के विद्या ,कुंती ,लक्ष्मी, सोनवती ,कांति ,राजू देवांगन स्वयंसेवक ओमेश साहू, अमित,पवन राज, भूपेश, समीर, उमा, डेमिन, ओसी, तनुजा, उपासना, मुस्कान, युरेखा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में सशक्त हुई महिला आत्मनिर्भरता की मिसाल

मजदूरी से मशरूम तक और अब सीएससी संचालक –'लखपति दीदी' बनीं सारंगपुरी की मधु कंवर

धमतरी (समय दर्शन)। कभी दूसरों के खेतों में मजदूरी करने वाली सारंगपुरी पंचायत की श्रीमती मधु कंवर आज पूरे क्षेत्र में लखपति दीदी के नाम से जानी जाती हैं। मेहनत, संघर्ष और शासन की योजनाओं के सहयोग ने उनके जीवन में नई रोशनी भर दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (हत्र्रूरू) से जुड़कर मधु ने अपनी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। मधु कंवर आज अपने गांव में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का संचालन कर रही हैं, जहाँ ग्रामीणों को आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, बिजली बिल भुगतान, आधार कार्ड, श्रम कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसी ई-गवर्नेंस सेवाएं रियायती दरों पर मिल रही हैं।इससे उन्हें प्रतिमाह 10 से 12 हजार रुपये की स्थायी आमदनी हो रही है और आसपास के कई गांवों के लोग अब सरकारी सेवाओं का लाभ गांव में ही पा रहे हैं। मधु बताती हैं कभी परिवार की हालत इतनी खराब थी कि बच्चों की पढ़ाई तक मुश्किल हो गई थी। लेकिन आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद आत्मविश्वास और दिशा दोनों मिले।

दैनिक समय दर्शन के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई

प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड
स्पंज आयरन डिवीजन
चांपा- 495671
जिला- जांजगीर- चांपा (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

यातायात पुलिस की अपील

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री का रायपुर छात्तीसगढ़ प्रवास कार्यक्रम निर्धारित है ।1 नवम्बर को नवा रायपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों,राज्योत्सव मेला व अन्य उद्घाटन समारोह में व्हीव्हीआईपी के कार्यक्रमों में विभिन्न जिले के समथर्कों,दर्शकों एवं कार्याकर्ताओं का काफी संख्या में अवागमन होने से रायपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग 53 रायपुर से महासमुंद मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 30 रायपुर से जगदलपुर मार्ग में यातायात का काफी दबाव रहेगा ।जिसके लिए रायपुर शहर में वाहनों के सुरक्षित व सुगमता पूर्वक संचालन हेतु रायपुर शहर की ओर आने वाले मध्यम एवं भारी वाहनो को 1 नवम्बर के सुबह 9 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक अपने जिले में सुरक्षित स्थान पर रोकने के संबंध निर्देश के परिपालन में जिला गरियाबंद पुलिस द्वारा 1 नवम्बर के सुबह 9 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक रायपुर शहर की ओर जाने वाले सभी मध्यम एवं भारी वाहन को जिले में ही सुरक्षित स्थानों पर रोके जाने संबंधी कार्यवाही किया जावेगा जिसके चलते रायपुर शहर की ओर जाने वाले सभी मध्यम एवं भारी वाहन चालको से स्थानीय यातायात पुलिस द्वारा अपील किया गया कि उक्त दिनांक को सुबह 9 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक आप जिले में ही सुरक्षित स्थानों पर रूक जावे रायपुर की ओर न जावे।

बिर्रा में मासिक संगीत गुंजन कोमल ऋषभ सम्पन्न

बिर्रा (समय दर्शन)। संस्कार भारती जिला सक्ती के निर्देशन में शारदा संगीत महा विद्यालय बिर्रा द्वारा आयोजित मासिक संगीत गुंजन कोमल ऋषभ राग यमन पर आधारित सभा कार्यक्रम दिनांक 26 अक्टूबर दिन रविवार को आचार्य चाणक्य सभागार में मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में धनेश मिश्रा जिलाध्यक्ष ब्राह्मण समाज, तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शैलेष दुबे जिला सचिव ने किए । विशिष्ट अतिथि के रूप में विशाल नाथ तिवारी सेवानिवृत्त प्रधान पाठक,टी पी तिवारी सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य, बी एल सागर संचालक करियर पॉइंट किड्स स्कूल बिर्रा,शम्भू प्रसाद गौरहा , भुवनेश्वर चौबे आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनेश मिश्रा जिलाध्यक्ष ब्राह्मण समाज जांजगीर चांपा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मासिक गुंजन कोमल ऋषभ बाल एवं युवा प्रतिभाएं जो शारदा संगीत विद्यालय के छात्र हैं उनको मंच देकर उनकी प्रतिभा को निखारना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। बाल कलाकारों को मंच देने से उसमें छुपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है। इस कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे शैलेश दुबे ने कहा कि शास्त्रीय संगीत एक अतिरिक्त विद्या या किसी प्रकार वैकल्पिक विषय नहीं है बल्कि ये ईश्वर प्राप्ति का सशक्त माध्यम है। विशालनाथ तिवारी ने कहा कि शास्त्रीय संगीत गुंजन के माध्यम से क्षेत्र में संगीत का प्रचार प्रसार हो रहा है,जो संगीत को जन सुलभ बनाने के लिए कटिबद्ध है। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज तिवारी द्वारा किया गया। समस्त विद्यार्थियों को पेन,कॉपी देकर प्रोत्साहित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के शुभारंभ में माँ भगवती शारदा के तैलचित्र पर पूजार्चना कर किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार पं0प्रवीण तिवारी द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना सृष्टि कश्यप तथा प्रवीण द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सृष्टि द्वारा आज जाने की ज़िद ना करो गाया गया। तबला में संगत एस के थवाईत सर द्वारा किया गया। जयेश काश्यप द्वारा रे मन सुर में गा गाया गया। जयंत कश्यप द्वारा राग यमन में बन्दिश व चंदन सा बदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें तबला संगत प्रवीण तिवारी द्वारा किया गया। जानकी व देवेंद्र पटेल द्वारा राग यमन की बन्दिश प्रस्तुत की गई। त्रिशाला महंत द्वारा अभी ना जाओ छोड़कर गाकर समा बांध दी गई। प्रवीण तिवारी द्वारा राग यमन में पटियाला,किराना व बनारस तीनों घराने की क्रमशः झपताल, तीनताल व एकताल में छोटा ख्याल तथा चंदन सा बदन एवं निगाहे मिलाने को जी चाहता है के साथ ही साथ छठगीत प्रस्तुत किया गया। जिसमें तबला संगत श्रवण थवाईत एवं हार्मोनियम संगत जयंत कश्यप द्वारा किया गया। भूपेंद्र कश्यप द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। श्रवण थवाईत द्वारा छाप तिलक गाकर समां बांध दी गई। जिसमें तबला संगत प्रवीण तिवारी द्वारा किया गया।

वेगनआर कार की टक्कर से एक्टिवा सवार अधेड़ की मौत

रायपुर। आमापारा स्वीपर कालोनी के पास एक तेज रफ्तार वेगनआर कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्टिवा सवार अधेड़ को ठोकर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने वेगनआर कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक लक्ष्मीकांत तिवारी 60 वर्ष विकाश विहार कालोनी रायपुरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एनएक्स 3087 से कहीं जा रहा था, तभी आमापारा स्वीपर कालोनी के पास वेगनआर क्रमांक सीजी 04 एचआर 4401 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्टिवा को टक्कर मार दिया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23